माघ कृष्ण पक्ष -8, 2082 | dopaharmetro | epaper.dopaharmetro.com | dopaharmetro | वर्ष-09, अंक - 188 पेज 8, मूल्य 2 रुपए

डाक पंजीयन क्रमांक: म।प्र।/4-474/2024-26

भोपाल
11 जनवरी 2026 रविवार

आज का मौसम
26.4 अधिकतम
8.0 न्यूनतम

बेबाक खबर हर दोपहर

दोपहर मेट्रो

Page-7

'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व'... मंदिर पर आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने पर जश्न

मोदी बोले- सोमनाथ तोड़ने वाले इतिहास के पन्नों में सिमटे, आज भी हैं बांटने वाली ताकतें

सोमनाथ, एजेंसी

गुजरात के सोमनाथ मंदिर पहुंचे पीएम मोदी ने कहा कि एक हजार साल पहले आततायी सोच रहे थे कि वे जीत गए हैं, लेकिन आज भी सोमनाथ मंदिर में फहरा रही धव्जा बता रही है कि हिंदुस्तान की शक्ति क्या है। दुर्भाग्य से आज भी हमारे देश में वे ताकतें मौजूद हैं, जिन्होंने सोमनाथ के पुनर्निर्माण का विरोध किया था। जब (1951 में) सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई।

पीएम ने सद्भावना ग्राउंड में रैली को संबोधित करते हुए कहा कि हमें आज भी सावधान रहना है, एकजुट रहना है। ऐसी ताकतों से सावधान रहना है, जो हमें बांटनें की कोशिशों में लगी हुई हैं। पीएम ने इससे पहले मंदिर में करीब 30 मिनट तक पूजा-अर्चना की। बाहर आकर प्रधानमंत्री ने पुजारियों और स्थानीय कलाकारों से मुलाकात की। मोदी ने ढोल भी बजाया। यहां सोमनाथ मंदिर पर साल 1026 में हुए पहले आक्रमण के एक हजार साल पूरे होने पर 'सोमनाथ स्वाभिमान पर्व' मनाया जा रहा है। पीएम मोदी ने कहा आज हर देशवासी के मन में विकसित भारत को लेकर भरोसा है। भारत अपने गौरव को नई बुलंदी देगा। हम गरीबी के खिलाफ अपनी लड़ाई को जीतेंगें। जिस देश के पास विरासत होती है तो वह देश उस पर गर्व करता है। लेकिन हमारे देश की आजादी के बाद गुलामी की मानसिकता वाले लोगों ने उसी विरासत को भुला दिया। जब सरदार पटेल ने सोमनाथ के पुनर्निर्माण की शपथ ली तो उन्हें भी रोकने की कोशिश की गई।

न सोमनाथ नष्ट हुआ, न ही भारत

पीएम ने कहा- आज उस इतिहास के बारें में कल्पना कीजिए, 1 हजार साल पहले 1026 में गजनवी ने मंदिर को तोड़ा था। उसे लगा उसने सोमनाथ का वजूद मिटा दिया। लेकिन इसके बाद ही मंदिर का पुनर्निर्माण शुरू हो गया। इसके बाद खिलजी ने मंदिर तोड़ा। लेकिन जूनागढ़ के राजाओं ने फिर से मंदिर का पुनर्निर्माण करा दिया। ये भी संयोग है कि आज सोमनाथ आक्रमण के 1 हजार साल पूरे हो रहे हैं। और अब इसके पुनर्निमाण के 75 साल भी पूरे हो रहे हैं। सोमनाथ को नष्ट करने के एक नहीं, अनेकों प्रयास हुए। विदेशी आंक्राताओं द्वारा कई सदियों तक भारत को खत्म करने की कोशिशें होती रहीं। लेकिन न ही सोमनाथ नष्ट हुआ, न ही भारत।

आज जब मैं आपसे बात कर रहा हूं तो मन में बार-बार प्रश्न आ रहा है कि ठीक 1 हजार साल पहले इसी जगह जहां आप बैठे हैं, क्या माहौल रहा होगा। हमारे पुरखों ने जान की बजा लगा दी थी अपनी आस्था के लिए अपने विश्वास के लिए, अपने महादेव के लिए अपना सबकुछ न्यौछावर कर दिया। यहां 72 घंटों तक अनवरत ओमकार का नाद और मंत्रोच्चार किया गया। सोमनाथ की 1 हजार साल की गाथा का वर्णन और शौर्य यात्रा, सबकुछ मंत्रमुग्ध कर देने वाला है। इस अनुभुति को शब्द अभिव्यक्त नहीं कर सकते हैं। इसे केवल समय ही संकलित कर सकता है। रैली को संबोधित करते हुए पीएम ने कहा- ये समय अदभुत है। ये वातावरण अद्भुत है। यह उत्सव अद्भुत है। एक और स्वयं देवादिदेव महादेव, दूसरी और समुद्र की लहरें, सूर्य की किरणें, मंत्रों की गूंज , आस्था का ऊफान, इस दिव्य वातावरण में आप सब भक्तों की उपस्थिति इस अवसर को दिव्य बना रही है। भव्य बना रही है और मैं इसे अपना बहुत बड़ा सौभाग्य मानता हूं कि सोमनाथ मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष के रूप में मुझे सोमनाथ स्वाभिमान पर्व में सेवा का अवसर मिला। पीएम ने यहां रोड शो भी किया।

किसान कल्याण वर्ष 2026 की शुरुआत

खेती को रोजगार का नया मॉडल बना रही है सरकार: मुख्यमंत्री

1101 ट्रैक्टरों की रैली

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि कृषक कल्याण वर्ष-2026 का उद्देश्य कृषि को केवल परंपरागत खेती तक सीमित न रखकर उसे लाभकारी, स्थायी और तकनीक आधारित रोजगार मॉडल के रूप में विकसित करना है। इस वर्ष के फोकस सेक्टर उद्यानिकी, पशुपालन, डेयरी, मत्स्य-पालन और खाद्य प्रसंस्करण रहेंगे। यह बात उन्होंने आज भोपाल के जंबूरी मैदान में कृषक कल्याण वर्ष 2026 की शुरुआत करते हुए कही। डॉ.यादव ने कहा कि खेती को फायदे का धंधा बनाने के लिए सरकार लंबे समय से प्रयास कर रही है और अब इस साल को किसान कल्याण वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। इससे पहले मुख्यमंत्री ने कोकता बायपास पर आरटीओ ऑफिस के पास लगभग 1101 ट्रैक्टरों की रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री ने किसानों को कृषक कल्याण वर्ष के अंतर्गत संचालित की जाने वाली गतिविधियों, योजनाओं और भावी कार्ययोजना की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि कृषि, उद्यानिकी, पशुपालन, मत्स्य-पालन और वानिकी को एकीकृत करते हुए जिला-स्तरीय क्लस्टर आधारित विकास को बढ़ावा दिया जाएगा। साथ ही उच्च उत्पादकता, प्राकृतिक खेती, डिजिटल सेवाओं और कृषि प्रसंस्करण के माध्यम से किसानों की आय बढ़ाने पर विशेष जोर रहेगा। एग्री-टेक, ड्रोन सेवाएं, एफपीओ प्रबंधन, खाद्य प्रसंस्करण और हाइड्रोपोनिक्स जैसे क्षेत्रों में ग्रामीण युवाओं के लिए नए रोजगार अवसर भी सृजित किए जाएंगे।

हर वर्ग के उत्थान के लिए प्रतिबद्ध: सीएम ने बताया कि वर्ष 2024 नारी सशक्तिकरण को समर्पित रहा, वर्ष 2025 उद्योग एवं रोजगार वर्ष के रूप में मनाया गया और अब वर्ष 2026 कृषक कल्याण को समर्पित किया जा रहा है।

न्यूज विंडो

मैरिनेरा तेल टैंकर पर हिमाचल का युवक भी फंसा

पालमपुर। अमेरिकी कोस्ट गार्ड की ओर से कब्जे में लिए गए मैरिनेरा तेल टैंकर में सवार तीन भारतीयों में हिमाचल के पालमपुर का रिक्षित भी शामिल है। अमेरिका ने एक दिन पहले रूस के दो नागरिकों को रिहा कर दिया है, जबकि अन्य अभी अमेरिका के कब्जे में हैं। अमेरिका ने सात जनवरी को उत्तरी अटलांटिक महासागर में जब्त किए रूसी आयल टैंकर मैरिनेरा समेत उसके 28 सदस्यों को अपने कब्जे में ले रखा है।

कांग्रेस से निष्कासित हुआ विधायक पुलिस हिरासत में

तिरुवनंतपुरम। तीन यौन उत्पीड़न के मामलों का सामना कर रहे कांग्रेस से निष्कासित विधायक राहुल ममकूटथिल को शनिवार देर रात पुलिस ने हिरासत में लिया है। राहुल ममकूटथिल केरल के पलक्कड़ से विधायक हैं। हाल ही में पिछले साल 4 दिसंबर को केरल कांग्रेस ने बड़ा फैसला लेते हुए राहुल ममकूटथिल को पार्टी से निकाल दिया था। पुलिस सूत्रों ने राहुल ममकूटथिल को शनिवार आधी रात पलक्कड़ से एक यौन उत्पीड़न मामले में हिरासत में लिया गया है।

स्टेशन पर न रुकने वाली ट्रेनों के लिए भी होगा अनाउंसमेंट

पटना। यात्रियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए रेलवे बोर्ड ने सभी जोनल रेलवे को महत्वपूर्ण निर्देश जारी किया है। रेलवे बोर्ड द्वारा जारी आदेश के अनुसार, छोटे और मध्यम स्टेशनों पर जहां से कई ट्रेनें बिना ठहराव के तेज गति से गुजरती हैं, वहां यात्रियों को सतर्क करने के लिए पूर्व-रिकॉर्डेड घोषणाएं अनिवार्य रूप से की जाएंगी।रेलवे बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि रन-थ्रू (बिना ठहराव गुजरने वाली) ट्रेनों के कारण दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती है।

आज का कार्टून

बीमा नहीं तो वाहन जब्त, लाइसेंस के नियम भी बदलेंगे

नईदिल्ली, एजेंसी

देशभर में सड़कों पर बिना बीमा चल रहे वाहनों और असुरक्षित ड्राइविंग पर लगाम लगाने के लिए सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने मोटर वाहन अधिनियम में अहम संशोधनों का प्रस्ताव पेश किया है। इन प्रस्तावित बदलावों के तहत प्रवर्तन एजेंसियों को बिना बीमा वाले वाहनों को जब्त या डिटेन करने का अधिकार दिया जाएगा। साथ ही, पिछले तीन वर्षों में जिनका ड्राइविंग लाइसेंस रद्द हुआ है, उन्हें नया लाइसेंस जारी करने पर रोक लगाने का प्रावधान भी जोड़ा जाएगा। मंत्रालय ने राज्यों के परिवहन मंत्रियों और परिवहन आयुक्तों के साथ हुई

मोटर वाहन अधिनियम में अहम संशोधनों का प्रस्ताव

बैठक में इन प्रस्तावों को शेयर किया है। इन बदलावों के तहत, बीमा नियामक को वाहन की उम्र और चालान के इतिहास को ध्यान में रखते हुए बीमा की मूल प्रीमियम और देनदारियों को तय करने का अधिकार मिलेगा। यह बदलाव धारा 147 के तहत किया जाएगा। फिलहाल बड़ी संख्या में वाहन, खासकर दोपहिया वाहन बिना वैध बीमा के चल रहे हैं। अब मंत्रालय ने ड्राइवर के इतिहास और लाइसेंस रद्द होने से जोड़ने के लिए धारा 9 में संशोधन का प्रस्ताव दिया है, जो कि डीएल जारी करने और नए बनाने से संबंधित है। इसके तहत, ऐसे आवेदकों के लिए ड्राइविंग टेस्ट को अनिवार्य बनाने का प्रस्ताव है जिनका चालान इतिहास असुरक्षित ड्राइविंग का है। अभी, यदि लाइसेंस की समाप्ति से एक साल के भीतर रिन्यूवल के लिए आवेदन किया जाता है, तो ड्राइविंग टेस्ट अनिवार्य नहीं होता है।

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाला

रसूखदारों ने 60 लाख में खरीदा था पेपर, मैरिज पैलेस में रटे जवाब

रायपुर, एजेंसी

छत्तीसगढ़ लोक सेवा आयोग भर्ती घोटाले में सीबीआई की जांच के बीच सरकारी गवाह 'चंद्राकर' के बयानों ने पूरे तंत्र को हिला कर रख दिया है। गवाह ने खुलासा किया है कि किस तरह तत्कालीन चेयरमैन टामन सिंह सोनवानी, सचिव जीवन किशोर ध्रुव और अन्य रसूखदारों ने पद का दुरुपयोग कर अपने रिश्तेदारों को रेवड़ियों की तरह नौकरियां बांटीं।

गवाह के मुताबिक वर्ष 2021-22 की परीक्षा में पास कराने के लिए उत्कर्ष चंद्राकर ने अपने मौसा (तत्कालीन ओएसडी) केके चन्द्रवंशी और ओएसडी चेतन बोघरिया के रसूख का हवाला देकर 50 से 60 लाख रुपये की मांग की थी। डील पक्की होने के बाद एग्जाम से ठीक एक दिन पहले, 12 फरवरी 2022 को रायपुर के सिद्धिविनायक मैरिज पैलेस में रितेश चन्द्राकर, लोकेश चन्द्राकर, समीर चन्द्राकर, माधुरी साहू, प्रवीण कुमार प्रसाद, सत्येन्द्र सिंह ठाकुर, पुल्कीत साहू और भारती वर्मा को प्रश्नपत्र के प्रिंटेड उत्तर रटवाए गए, जिसके बाद इन सभी का चयन प्री में हो गया। मेन्स परीक्षा के लिए बारनवा पारा का एक रिसॉर्ट चुना। यहां कड़े पहरे के बीच फर्जी नाम दर्ज करवाकर छात्रों को ठहराया था।

चुन-चुनकर खास लोगों को बांटे गए पद

2020 से 2022 के बीच हुई भर्ती प्रक्रियाओं में पारदर्शिता को दरकिनार कर राजनीतिक और प्रशासनिक रसूख वाले परिवारों के उम्मीदवारों को उच्च पदों पर चयनित किया गया। इस दौरान योग्य अभ्यर्थियों की अनदेखी कर डिप्टी कलेक्टर, डीएसपी और अन्य राजपत्रित पदों पर अपने नजदीकी लोगों को पद दिलवाने का खेल हुआ। प्रदेश सरकार ने मामले की गंभीरता को देखते हुए जांच सीबीआई को सौंपी।

एक्स को झुकना ही पड़ा, नहीं मिलेगी अश्लील कंटेंट पोस्ट करने की इजाजत

नई दिल्ली. एजेंसी

आखिरकार सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स ने अपनी गलती मान ली है। कंपनी कहा है कि वह भारतीय कानून का पालन करेगी। इसके तहत करीब 3,500 कंटेंट ब्लॉक किए गए और 600 से ज्यादा अकाउंट डिलीट कर दिए गए हैं। सरकारी सूत्रों के मुताबिक प्लेटफॉर्म अब अश्लील तस्वीरें पोस्ट करने की इजाजत नहीं देगा। दरअसल, भारत सरकार और एक्स के बीच यह रस्साकशी लंबे समय से चल रही थी। भारत सरकार का कहना था कि एक्स और उसके एआई ग्रोक को अपने प्लेटफॉर्म से अश्लील कंटेंट हटाना होगा।

सरकार ने अश्लील कंटेंट को लेकर ग्रोक के गलत इस्तेमाल पर चिंता भी जताई थी। एक्स के भारत में ऑपरेशन प्रमुख को भारत सरकार की तरफ से पत्र लिखा गया था। इसमें सरकार ने बताया था कि ग्रोक एआई का गलत इस्तेमाल करके फर्जी खाते बनाए जा रहे हैं। इससे महिलाओं की अश्लील तस्वीरों के साथ-साथ वीडियो को अपमानजनक या भद्दे तरीके से साझा किया जा रहा है। सरकार ने एक्स से कहा था कि यह भारत सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000 और आईटी नियम, 2021 का उल्लंघन है। जबकि भारत में इन नियमों का पालन करना अनिवार्य है।

कॉलोनाइजर्स को नगर निगम ने दिया नोटिस

जबलपुर। अवैध कॉलोनी बनाने वाले कालोनाइजरों पर जबलपुर नगर निगम ने भी शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में नगर निगम की कॉलोनी सेल ने पांच अवैध कॉलोनाइजरों को नोटिस जारी किया है। जबाव सही नहीं पाए जाने पर इन सबके विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी। एफआइआर भी दर्ज कराई जाएगी। निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार ने बताया कि अक्सर देखा जाता है कि अवैध कॉलोनियों में बुनियादी सुविधाओं (सड़क, नाली, बिजली) के अभाव के कारण आम जनता को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

अपनी दूसरी पारी में इतनी हड़बड़ी में क्यों हैं डोनाल्ड ट्रंप?

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की दूसरी पारी का एक साल भी पूरा नहीं हुआ है लेकिन ट्रंप पार्ट -2, पहले कार्यकाल से बिल्कुल उलट दिख रहा है। आखिर इसके पीछे वजह क्या है?

प्रसंगवश
राजेश सिरोठिया

इसमें कोई शक नहीं कि ट्रंप जो फैसले ले रहे हैं उनमें कुछ हिस्सा उनको प्रोजेक्ट करने वाली संस्था अमेरिका फर्स्ट पालिसी इंस्टीट्यूट (एएफपीआई) और उनकी कोर मंडली की सलाहों पर आधारित भी हो सकता है। लेकिन कोई भी शुभचिंतक या सलाहकार उनको ऐसे ट्रैक पर दौडने के लिए कतई नहीं कह सकता जो उनको आत्मघात की राह पर ले जाए। यानि, साफ है कि ट्रंप ने अपनी पार्टी के अजेंडे से हटकर कुछ व्यक्तिगत हसरतें भी पालीं, जिनके चलते उनके अपने भी उनसे दूर हो चले हैं। और यह सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा, उल्टे बढ़ता ही जा रहा है।

इसमें कोई शक नहीं कि दुनिया में अपनी बादशाहत कायम रखने के लिए अमेरिका बीते अस्सी सालों में कोई न कोई उदाहरण पेश करता आ रहा है। लेकिन उसने यह सब करने के साथ ही अपनी दुनिया के सबसे पुराने और सबसे स्वस्थ लोकतंत्र की छवि को धूमिल नहीं होने दिया। लेकिन ट्रम्प ने साल भर के भीतर ही अपने तुगलकी फरमानों से पूरी दुनिया को बता और जता दिया कि अमेरिका सबसे स्वस्थ लोकतंत्र नहीं बल्कि सबसे बड़ा तानाशाह देश है। एएफपीआई के एजेंडे के बीच ट्रंप ने अपनी नोबल हसरतों तथा अपने परिवार के कारोबारी साम्राज्य के अरमानों का ऐसा घालमेल किया है जिससे दुनिया के ज्यादातर देश अमेरिका का भले ही कुछ न बिगाड़ पाएं लेकिन उन (ट्रंप) पर तो थू-थू कर ही रहे हैं। दूसरे देशों में ही क्यों, अमेरिका के भीतर भी उनकी भद पिट रही है। लाख टके का सवाल यह है कि ट्रंप आखिर इतनी हड़बड़ी में क्यों है? वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादरो और उनकी पत्नी की उनके ही देश में गिरफ्तारी। डेनमार्क के स्वायत्तशासी व्दीप ग्रीनलैंड पर कब्जे की तैयारी । या इसके पहले कनाडा को अमेरिका में मिलाने की धमकी हो या मेक्सिको से लेकर नाईजीरिया, क्यूबा, ब्राजील को लेकर उनके इरादे। यह सब इस बात की तरफ इशारा करते हैं कि अमेरिका में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है और अमेरिकियों का ध्यान भटकाने के लिए वह सारे जतन कर रहे हैं। ऐसा शायद इसलिए कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश की आर्थिक सेहत ठीक नहीं है। वह बीमार हो चली है। केवल दस फीसदी अमेरिकियों के पास 90 फीसदी धन जमा हो गया है। बाकी लोग तंगहाली और गरीबी में जीने को मजबूर हो चुके हैं। देश के भीतर आर्थिक सुधारों के जतन के बजाए वह ऐसी राह चल पड़े हैं जिससे अमेरिका की ही नहीं बल्कि उसकी मुद्रा डॉलर की बादशाहत भी खतरे में पड़ती दिख रही है। ऐसे देशों की तादाद लगातार बढ़ रही है जो आपसी लेन देन डॉलर के बजाए अपने ही देशों की मुद्रा में करने लगे हैं। यानि अमेरिकी डॉलर में लेन देन होने पर अमेरिका को बैठे बिठाए जो लाभ मिल रहा था उस पर भी बड़ा खतरा मंडरा रहा है। ब्रिक्स में शुमार भारत, ब्राजील, रूस चीन जैसे देश इसीलिए ट्रंप को चुभ रहे हैं। बीस देशों के इस समूह में कई और देश जुडने को लालायित हैं। तो दूसरी तरफ नाटो जैसे संगठन में शुमार देश भी ट्रम्प के फैसलों से खुश नहीं हैं, क्योंकि उन्हें यह अंदाजा हो गया है कि अमेरिका अपने हितों की खातिर उनकी बलि चढ़ाने में भी नहीं हिचकेगा। अपनी कमजोर होती आर्थिकी के चलते झल्लाहट में अमेरिका ने 66 संगठनों से पल्ला झाड़ लिया है जिनकी मदद करने के ऐवज में वह दुनिया में अपनी दरोगाई का खौफ दिखाता था। ट्रम्प के झल्लाहट से भरे फैसलों का सिलसिला नवंबर 2026 तक नहीं रूकने वाला, लेकिन नवंबर में होने वाले मिड टर्म चुनावों के नतीजों से यह साबित हो जाएगा कि अमेरिका की जनता उनके तुगलकी शासन के भरोसे ही चलेगी या उन पर लगाम कसते हुए उनकी पार्टी को अल्पमत में ला देगी। लेकिन, तब तक उन देशों को सतर्क रहने की जरूरत है जो अमेरिका के निशाने पर हैं। जिन भी देशों ने गुड गवर्नेंस नहीं दी, उनके खिलाफ जेन जेड आंदोलन भड़काकर उनकी निर्वाचित सरकारों को उसने हटवा दिया। श्रीलंका, नेपाल, बांग्लादेश इसके उदाहरण हैं। ईरान में भी तख्तालट की तैयारी हो चुकी है। निशाने पर भारत भी है लेकिन देश की सरकार सतर्क है और उसके मंसूबों को कामयाब नहीं होने दिया ।

मानो... बस गई गुलाबों की बस्ती

भोपाल। राजधानी भोपाल के लिंक रोड -1 स्थित शासकीय गुलाब उद्यान में शनिवार से दो दिवसीय 45वीं अखिल भारतीय गुलाब प्रदर्शनी शुरू हुई। हर साल होने वाले इस आयोजन में बड़ी संख्या में लोग पहुंचते हैं। उन्हें ऐसा अहसास होता है मानो वे गुलाब नगर में आ गए हों।

पुलिस सहायता सेवा के संचालन में बड़ा सॉफ्टवेयर फर्जीवाड़ा

डायल 112 में लगा एंबुलेंस का साफ्टवेयर, नजदीक की जगह 40 किमी से भी अधिक दूरी से आ रही पुलिस

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

आमजन को तत्काल पुलिस सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रदेशभर में दौड़ रहे डायल 112 वाहनों के संचालन के लिए उपयोग होने साफ्टवेयर में फर्जीवाड़ा सामने आया है। संचालन करने वाली कंपनी जीवीके ने कंप्यूटर एडेड डिस्पैच (सीएडी) सिस्टम निविदा शर्तों के अनुसार न लगाकर, ऐसा सिस्टम लगाया है, जिसे 108 एंबुलेंस के लिए तैयार किया गया था। कंपनी ने उसे 112 के हिसाब से बदला है, जिससे समस्याएं आ रही हैं। सीएडी में कोडिंग और डाटा फीडिंग ठीक से नहीं होने के कारण सिस्टम यही पता नहीं कर पा रहा है कि घटनास्थल के पास कौन सा वाहन है और कौन दूरी पर है। पास के वाहन की जगह 40 से 80 किलोमीटर दूर तक के वाहन को घटनास्थल पर पहुंचने के लिए मैसेज पहुंच रहा है, जिसमें गाड़ी के पहुंचने में कई बार आधे घंटे से भी अधिक लग रहे हैं। एक ही वाहन को दो से तीन इवेंट एक साथ मिल रहे हैं। इसका नुकसान जनता को उठाना पड़ रहा है। बता दें कि इसी कंपनी को पहले 108 एंबुलेंस सेवा के संचालन की

जिम्मेदारी मिली थी। कंपनी अभी 1200 गाड़ियों का संचालन कर रही है। अब पुलिस मुख्यालय की दूरसंचार शाखा जीवीके कंपनी द्वारा लगाए गए सिस्टम की जगह खुद अपनी जरूरत के अनुसार सीएडी लगाने जा रहा है। इसमें 10 से 11 करो? रुपये तक खर्च आएगा। जीवीके कंपनी को किए जाने वाले भुगतान में से ही यह राशि काटी जाएगी। जीवीके कंपनी ने इसी वर्ष अगस्त से काम संभाला था। पांच वर्ष के लिए काम दिया गया है, जिसमें लगभग 972 करोड़ रुपये खर्च होंगे। बताया गया कि अभी जो साफ्टवेयर उपयोग हो रहा है वह उतना अच्छे से काम नहीं कर रहा है। कुछ कमियां थीं। इसलिए सीएडी में परिवर्तन कर रहे हैं, जिससे जनता को बेहतर इमरजेंसी सेवा मिल सके।

कई मामले आए सामने

भोपाल के एमपी नगर जोन एक में पार्किंग विवाद होने पर छह जनवरी को शाम 4.33 बजे डायल 112 को काल किया गया। 4ः48 बजे बजे वाहन में तैनात पुलिसकर्मी की काल आई, लेकिन रास्ते से ही यह कहकर लौट गई कि घटनास्थल हमारे थाना क्षेत्र में नहीं आता, हम काल दूसरे थाने को ट्रांसफर कर रहे हैं। इसके बाद दूसरी गाड़ी आई तब तक लगभग आधे घंटे गुजर गए। वहीं जबलपुर के गढ़ा से नौ जनवरी को दोपहर दो बजे पूजा पयासी ने फोन कर डायल 112 की मदद मांगी। तीन मिनट में वाहन चालक से संपर्क हुआ। पूजा गढ़ा में थीं, लेकिन एफआरवी मदन महल की भेजी गई। इसमें समय लगा तो कंट्रोल रूम से संदेश देकर गढ़ा थाने के करीब की गाड़ी को टास्क देने की बात लिखकर भेजी गई। जबलपुर में पुलिस सहायता के लिए रोजाना औसतन 300 सूचनाएं आती हैं। इनमें दस प्रतिशत ऐसी होती हैं जिनमें घटना स्थल के पास की जगह दूर की गाड़ी भेजी जाती है। इधर रिस्पांस टाइम 12 मिनट बताया, पर 22 मिनट बाद भी नहीं पहुंचा 112 वाहन 19 अक्टूबर को ग्वालियर के सिटी सेंटर स्थित कैलाश विहार में रात करीब साढ़े 12 बजे बदमाश दो युवकों को बुरी तरह पीट रहे थे। घटना के प्रत्यक्षदर्शी ने मोबाइल एप 112 से सूचना दी। रिवर्ट मैसेज में रिस्पांस टाइम 12 मिनट बताया। करीब 22 मिनट बाद सूचनाकर्ता को काल आई कि लोकेशन क्या है। लोकेशन बताने के लगभग पांच मिनट बाद पुलिस पहुंची 112 से पहुंची। तब तक पीटने वाले भाग चुके थे।

मकर संक्रांति पर रेलवे की लोगों से अपील

रेलवे लाइनों के आसपास पतंगबाजी न करें, करंट लगने का है खतरा

भोपाल, दोपहर मेट्रो।

पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल ने मकर संक्रांति के अवसर पर आमजन से रेलवे लाइनों के आसपास पतंगबाजी न करने की अपील की है। रेलवे प्रशासन ने चेतावनी दी है कि भोपाल रेल मंडल में ट्रेनों का संचालन 25 हजार वोल्ट के हाई वोल्टेज विद्युत तारों के माध्यम से किया जाता है, जिनमें चौबीसों घंटे विद्युत प्रवाह बना रहता है। ऐसी स्थिति में यदि पतंग का मांझा इन तारों में उलझ जाता है, तो करंट मांझे के जरिए सीधे पतंग उड़ाने वाले तक पहुंच सकता है, जो गंभीर हादसे या जानलेवा साबित हो सकता है।

रेलवे प्रशासन के अनुसार गीले, मेटेलिक या सिंथेटिक मांझे के कारण करंट का खतरा और अधिक बढ़ जाता है। पूर्व में भी रेलवे लाइनों के पास पतंगबाजी के चलते कई गंभीर घटनाएं सामने आ चुकी हैं, जिनमें लोगों को जान गंवानी पड़ी है। मकर संक्रांति के दौरान पतंगबाजी बढ़ने की संभावना को देखते हुए भोपाल रेल प्रशासन ने लोगों से विशेष सावधानी बरतने का आग्रह किया है। रेलवे ने कहा है कि रेल लाइन के आसपास पतंग उड़ाने से न केवल जान का जोखिम

होता है। बल्कि पतंग या मांझा बिजली के तारों में फंसने से रेल संचालन भी बाधित हो सकता है, जिससे यात्री सेवाओं में देरी होती है। पश्चिम मध्य रेलवे, भोपाल मंडल ने नागरिकों से अपील की है कि वे सुरक्षित स्थानों पर ही पतंगबाजी करें और अपनी तथा दूसरों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।

भाषा संस्कृति को आगे बढ़ाने वाला रथ है- डॉ.सुधीर शर्मा

विश्व हिंदी दिवस पर आयोजन

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भाषा संस्कृति को आगे बढ़ाने वाला रथ है। हिंदी =का सम्मान करना अपनी माँ का सम्मान करना है। भाषा कमजोर हुई तो संस्कार और संस्कृति भी कमजोर होगी। यह उदगार हैं वरिष्ठ साहित्यकार प्रोफेसर सुधीर कुमार शर्मा के जो विश्व हिन्दी दिवस के अवसर पर बाबूलाल गौर शास. स्नातकोत्तर महाविद्यालय भेल, भोपाल में आयोजित परिचर्चा एवं कवि गोष्ठी में मुख्य वक्ता के रूप में बोल रहे थे। डॉ. शर्मा ने कहा कि भाषा बदलती है तो भोजन बदलता है, औषधियाँ बदलती हैं, हमारी जीवन-शैली बदलती है। जब भाषा कमजोर होती है तो समाज में बहुत-सी विसंगतियाँ पैदा हो जाती हैं। अभी संस्कृति का क्षरण हो रहा है और जब संस्कृति नष्ट हो जाती है तो राष्ट्र का अस्तित्व भी संकट में पड़ जाता है। संस्कृति का आधार भाषा है। आवश्यकता के अनुरूप भाषाएँ दूसरे शब्दों को ग्रहण करती हैं क्योंकि भाषाएँ उदार होती हैं। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त अपर महाप्रबंधक डॉ. विनोद कुमार जैन ने हिन्दी की वर्तमान स्थिति पर अपने विचार रखते हुए कहा कि हमें मातृभाषा हिन्दी पर चिंता और चिंतन करना अति आवश्यक है। चिंता इस बात की है कि हिन्दी भाषा आज फिसलन पर है और अन्य भाषाओं की ओर फिसलती जा रही है और चिंतन इस पर कि जिस मातृभाषा हिन्दी को हमने बचपन से सीखा है, तिलक के रूप में पहचाना है, स्नेह एवं संवाद के रूप में अपनाया है, उस हिन्दी भाषा का विश्व में क्या स्थान है। भाषा समृद्ध होती है, सशक्त होती है, उसके अनेक गुण होते हैं। विद्यार्थियों से हिन्दी भाषा में हस्ताक्षर करने का प्रण लेने को वरिष्ठ साहित्यकार घनश्याम मैथिल 'अमृत' द्वारा कहा गया। उन्होंने बताया कि हमारी भाषा कैसे धीरे-धीरे सिमटती जा रही है और हमें इसे बचाने की आवश्यकता है। भाषा हमारी पहचान है, हमारा गौरव है, हमारा स्वाभिमान है। हमें इसे अपमानित होने से बचाना है। कार्यक्रम में चैतन्य जैन जो ऑस्ट्रेलिया से आए थे, ने हिन्दी एवं भारत से अपने जुड़ाव पर प्रकाश डालते हुए कई रोचक अनुभव साझा किए और बताया कि विदेशों में रहते हुए भी हिन्दी भाषा हमें, हमारी जड़ों से जोड़े रखती है। अध्यक्षीय उद्बोधन में प्राचार्य डॉ. संजय कुमार जैन ने कहा कि आप इसे साधारण एवं सामान्य भाषा समझते हैं, परन्तु यह एक असाधारण भाषा है। आपको अपने जीवन में इसकी सार्थकता को समझना चाहिए। कार्यक्रम की संयोजक हिंदी विभागाध्यक्ष डॉ.सुषमा जादौन ने सभी को विश्व हिंदी दिवस की शुभकामनाएं दीं। डॉ. सुधीरकुमार शर्मा , विनोद कुमार जैन, घनश्याम मैथिल अमृत द्वारा कविता पाठ भी किया गया। महाविद्यालय की प्रावीण्य सूची में स्थान प्राप्त करने वाली दो छात्राओं -श्रीया विश्वकर्मा ,खुशी द्विवेदी द्वारा 'मैं हिन्दी हूं' लघु नाटिका का मंचन किया गया। कार्यक्रम में कविता, साहित्य और भाषा की त्रिवेणी बही।भावपूर्ण आभार प्रदर्शन बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र मनन दीक्षित द्वारा किया गया।

आईईएस विवि का दीक्षांत समारोह

भारतीय ज्ञान से प्रेरणा लें : राज्यपाल

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

इन्फोटेक एजुकेशन सोसायटी के आईईएस विश्वविद्यालय में शनिवार को द्वितीय दीक्षांत समारोह आयोजित किया गया। समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने कहा कि सही सार्थक जीवन जीना ही महत्वपूर्ण है. भौतिक संसाधनों से क्षणिक सुख प्राप्त होता है. वास्तविक सुख आत्मीय आनंद में है. उन्होंने युवाओं का आह्वान किया है कि वह भारतीय ज्ञान परंपरा के ग्रंथों और महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लें. उनकी नैतिकता, आदर्शों और जीवन मूल्यों को आचरण में आत्मसात करें। वहीं पशुपालन डेयरी विकास राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) लखन पटेल ने कहा कि जीवन में सफलता शार्टकट से नहीं कड़ी मेहनत से आती है.

मेहनत से सफलता निश्चित है. उसका कोई तोड़ नहीं है। विश्वविद्यालय द्वारा मेधावी विद्यार्थियों को स्वर्ण पदक, 45 शोधार्थी को पीएचडी, 231 को स्नातकोत्तर और 938 को स्नातक की उपाधि प्रदान की। इस अवसर पर राज्यसभा सांसद गोविन्द लालजी भाई ढोलकिया, सांसद, पद्मश्री डॉ. पीटी उषा वाइस चेयर पर्सन ऑफ राज्यसभा प्रेसिडेंट इण्डियन ओलम्पिक एसोसिएशन, क्रिकेटर चन्द्रकांत सीताराम पंडित, शिक्षा के क्षेत्र में माधुरी सहस्त्रबुद्धे, मूर्तिकार अरुण योगीराज, आयुर्वेद आचार्य बालेन्दु प्रकाश, नेत्र रोग विशेषज्ञ डॉ. जीवन सिंह टटियाल को मानद उपाधि प्रदान की गई।

कृत्रिम घोंसले बनाए, पक्षियों की प्रजातियों को भी पहचाना

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

वन विहार राष्ट्रीय उद्यान और बिशनखेड़ी वेटलैंड के आसमान में बर्ड वॉक के दौरान करीब पचास पक्षी प्रजातियों को पहचान कर नोट किया गया। इस दौरान लगभग अस्सी प्रतिभागियों ने भोपाल बर्ड्स के दूसरे दिन सुबह साढ़े छह बजे इस कार्य को किया। प्रतिभागियों ने बताया उनके लिए यह अनुभव केवल पक्षियों को देखने भर का नहीं था, बल्कि उन्हें समझने और प्रकृति के साथ जुड़ने का था। दूसरे दिन के इस आयोजन के दूसरे सत्र में पक्षी संरक्षण पर एक्सपर्ट टॉक हुई। जिसमें वाइल्डलाइफ ट्रस्ट ऑफ इंडिया दिल्ली के मोनेश सिंह तोमर ने भारत में हो रहे पक्षियों के अवैध व्यापार और उसकी रोकथाम पर महत्वपूर्ण जानकारियां साझा कीं। इसी क्रम में डॉ. प्रोमिता रॉय ने पूरे देश में चल रहे रैपिड एक्शन प्रोग्राम और पक्षियों की सुरक्षा के लिए किए जा रहे प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। कार्यक्रम का आयोजन भोपाल बर्ड्स मध्यप्रदेश जैव विविधता बोर्ड और क्षेत्रीय प्राकृतिक विज्ञान संग्रहालय द्वारा किया गया। दिन भर के कार्यक्रम में सबसे सृजनात्मक हिस्सा नेस्ट मेकिंग वर्कशॉप रहा। जिसमें डॉ संगीता राजगीर के मार्गदर्शन में प्रतिभागियों ने लकड़ी, घास, पत्तियों और मिट्टी से आठ प्रकार के कृत्रिम घोंसले बनाए। साथ ही यह समझाया कि पक्षियों को सुरक्षित घर देने के लिए इंसान भी हाथ बढ़ा सकते हैं। **दुर्लभ पक्षियों में शामिल-** सारस क्रेन, रेड क्रेस्टेड पोचार्ड, नॉर्दर्न शोवलर, कॉमन कूट, ग्रे हेरॉन, व्हिस्लिंग डक, स्पॉट बिल्ड डक, पेंटेड स्ट्रोक, ब्लैक ड्रोंगो, बूटेड वार्बलर, पाइड किंगफिशर, गोल्डन ओरियल और वाइट ऑय जैसे कई दुर्लभ पक्षी दिखे।

मेट्रो एंकर

भारत भवन में गूंजे सूफी कलाम, दिनभर हुए संवाद

सबसे अच्छे प्रेमी शिव... जिनका प्रेम संघर्ष में और खिलता है

भोपाल. दोपहर मेट्रो।

भारत भवन में भोपाल लिट्रेचर एंड आर्ट फेस्टिवल के दूसरे दिन राजीव सिंह और उनके साथी कलाकारों ने सूफी कलाम सुनाए। एक तरफ महोत्सव में दिन भर विभिन्न विषयों पर संवाद चलते रहे। पहले सत्र में प्रशांत दीक्षित ने अपनी पुस्तक के आधार पर बताया कि शिव आधे शरीर में पार्वती को स्थान देकर नारी समानता का सर्वोच्च उदाहरण देते हैं। उन्होंने कहा कि शिव सबसे अच्छे पति और प्रेमी का रूप हैं जिनका प्रेम संघर्ष में और ज्यादा खिलता है। कर्नल अजय रैना और लेफ्टिनेंट कर्नल अंशुमन अग्रहरी ने जोरावर सिंह के प्रेरक जीवन और वीरता पर बात की। वक्ताओं ने पर्वतीय अभियानों और कठिन परिस्थितियों में जीने की सीख को युवाओं के लिए प्रेरणा बताया। द नेक्स्ट न्यू, द फिफ्थ इंडस्ट्रियल रेवोल्यूशन विषय पर आयोजित सत्र में प्रख्यात विचारक और लेखक प्रांजल शर्मा ने एआई टेक्नोलॉजी डिजिटल सुरक्षा और बदलती दुनिया पर कहा कि हमें परिस्थितियों के साथ तत्काल सोचने और फैसले लेने की क्षमता विकसित करनी होगी।

अमेरिका के फिल ने सेक्साफोन पर सुनाया शास्त्रीय संगीत

अमेरिकी कलाकार ने शनिवार को फिल स्कर्फ ने अल्टो सेक्साफोन पर भारतीय शास्त्रीय संगीत प्रस्तुत कर श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. द आर्ट हाउस में आयोजित इस संगीत सभा में श्रोताओं को एक अनूठा अनुभव मिला. फिल के साथ भोपाल के युवा कलाकार आमिर आयरन ने सरोद और अभिजीत गढ़ेकर ने तबले पर संगत कर पूरी प्रस्तुति को और भी मधुर बना दिया। कार्यक्रम में राग चारुकेशी के पारंपरिक रूप में अलाप जोड़ और झाला के विस्तार ने लोगों को अनूठी यात्रा से जोड़ दिया। वहीं मध्य गति और द्रुत गति की रचना के दौरान रूपक ताल की सात मात्राओं में अभिजीत की तबला संगत ने पूरे सभागार का माहौल और जीवंत कर दिया। कार्यक्रम का संचालन फ्लैमेंको गिटार वादक और आर्ट हाउस के फाउंडर संजीव ने किया। कार्यक्रम में आये युवा और अनुभवी संगीत प्रेमी श्रोताओं ने इस शास्त्रीय और आधुनिक ध्वनियों के सुंदर मेल वाली प्रस्तुति को भरपूर सराहा और शीतल दोपहर में राग चारुकेशी का आनंद लिया। अंत में ध्रुपद गायिका और बैठक की संस्थापक सुरेखा कांबले ने उपस्थित श्रोताओं का आभार जताया। साथ ही लोगों ने कलाकारों से संवाद कर अपनी जिज्ञासाओं को भी जाना।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश के स्थानीय निकायों के पदाधिकारियों को दिए निर्देश

हर नागरिक को उपलब्ध कराएं साफ पानी ढिलाई बरतने वालों पर होगा सख्त एक्शन

भोपाल, दोपहर मेट्रो

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रत्येक नागरिक को स्वच्छ जल पेयजल उपलब्ध करवाना नगरीय निकायों का दायित्व है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में स्वच्छ जलप्रदाय सुनिश्चित किया जाए। पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच हो, दूषित होने पर वैकल्पिक व्यवस्था करें। किसी भी स्थिति में दूषित पेयजल स्पलाई न हो। यह बड़ी चुनौती है लेकिन गंभीरता से सामना करें जिससे देश में एक आदर्श प्रस्तुत हो।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार सभी लोगों को शुद्ध पेयजल हेतु बेहतर प्रबंधन के लिए प्रतिबद्ध है। जनप्रतिनिधि और अधिकारी सभी मिलकर अपने दायित्व का कुशल निर्वहन करें। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि राज्य में स्वच्छ जल अभियान प्रारंभ किया जा रहा है। जो दो चरणों में आयोजित होगा। प्रथम चरण 10 जनवरी से 28 फरवरी और द्वितीय चरण एक मार्च से 31 मार्च के मध्य संचालित होगा। आम नागरिकों की पेयजल समस्या के लिये जल सुनवाई की भी व्यवस्था रखी गई है। अधिकारी जल सुनवाई को गंभीरता से लें।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि जहां कहीं पाइपलाइन में लीकेज हैं उन्हें सुधारते हुए आम जनता को स्वास्थ्य की दृष्टि से सुरक्षित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध करवाया जाए। घर-घर स्वच्छ जल पहुंचाएं। इस कार्य में नगरीय निकाय विभाग द्वारा एप का उपयोग प्रारंभ किया जाना सराहनीय है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निर्देश दिए कि स्वच्छ पेयजल प्रदाय के कार्य में ढिलाई बरते जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। वीसी में नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय, सभी महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, कमिश्नर्स, कलेक्टर्स, कमिश्नर्स नगरनिगम, सीईओ जिला पंचायत के साथ सभी नगरीय एवं ग्रामीण क्षेत्र के जनप्रतिनिधि शामिल हुए।

तकनीक के उपयोग के साथ जिम्मेदारी

- हमारी जवाबदारी है कि हम साफ़ जल घर-घर तक पहुँचाएं।
- तकनीक का उपयोग करते हुए जवाबदारी का निर्वहन करेंगे।
- रेंडम सेम्पलिंग अच्छा प्रयास है।
- बड़ी चुनौती है, लेकिन गंभीरता से सामना करेंगे और देश में एक आदर्श प्रस्तुत करेंगे।
- सीएम हेल्पलाइन का उपयोग भी कारगर प्रयास है।
- पेयजल की गुणवत्ता की नियमित जांच हो।
- दूषित होने पर वैकल्पिक व्यवस्था की जाए।
- किसी भी स्थित में दूषित पेयजल सप्लाई न हो।
- अभियान के क्रियान्वयन में लापरवाही करने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों के विरुध्द कड़े कदम उठाए जाएंगे।

स्वच्छ जल अभियान के मुख्य बिन्दु

- मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वीसी के माध्यम से, जल सुरक्षा, जल संरक्षण और जल सुनवाई के महती उद्देश्य के लिये स्वच्छ जल अभियान 10 जनवरी 2026 से लांच किया।
- जल सुनवाई से आम जनता को मिलेगा सुनवाई का हक और होगी साफ़ पेयजल की सुनिश्चितता।
- अभियान के क्रियान्वयन के लिये जन जागरूकता और सामुदायिक सहभागिता का लक्ष्य।
- अभियान के तहत समस्त जल शोधन यन्त्र और पेयजल संग्रहण टंकियों की होगी सफाई, जीआईएस मैप आधारित एप से होगी निगरानी।
- पेयजल पाइप लाइन में दूषित मिश्रण को रोकने की होगी कारवाई।
- जीआईएस मैप पर वाटर पाइप लाइन और सीवेज पाइप लाइन की मैपिंग की जायेगी, इंटर पाइंट सेक्शन का होगा। चिन्हांकन और लीकेज की जांच भी होगी।
- रोबोट से होगी पाइप लाइन में लीकेज की जांच।

इंदौर त्रासदी के बाद सवालों के घेरे में पीएचई

प्रदेश की 155 प्रयोगशालाओं में सिर्फ तीन नियमित केमिस्ट, खाली पड़ा है चीफ का पद

भोपाल, दोपहर मेट्रो

इंदौर में दूषित पानी से हुई मौतों ने मध्यप्रदेश की जल गुणवत्ता जांच व्यवस्था की पोल खोल दी है। इस घटना के बाद जांच की सुई सीधे लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग पर टिक गई है, जो प्रदेश में पेयजल और औद्योगिक जल की गुणवत्ता जांच का जिम्मा संभालता है। हैरानी की बात यह है कि प्रदेशभर में 155 प्रयोगशालाएं होने के बावजूद पूरे मध्यप्रदेश में सिर्फ तीन नियमित केमिस्ट पदस्थ हैं।

भोपाल स्थित राज्य अनुसंधान प्रयोगशाला के प्रभारी चीफ केमिस्ट चूड़ामणि कलेले ने खुद विभाग में नियमित केमिस्टों की भारी कमी को स्वीकार किया है। उन्होंने बताया कि अनुभव के आधार पर आउटसोर्स और

कार्यभारित कर्मचारी केमिस्ट का काम कर रहे हैं। उनका कहना है कि उन्हें भी अनुभव के आधार पर प्रभारी चीफ केमिस्ट बनाया गया है और कई अन्य लैबों में भी लैब असिस्टेंट को प्रभारी की जिम्मेदारी दी गई है। कलेले ने यह भी बताया कि एमपीपीएससी के माध्यम से चीफ केमिस्ट की भर्ती प्रस्तावित है और आने वाले समय में नियमित अधिकारियों की नियुक्ति होने की उम्मीद है, जिसके बाद स्थिति में सुधार हो सकता है।

लैब असिस्टेंट और आउटसोर्स कर्मियों के भरोसे पानी की जांच

पीएचई विभाग के पास प्रदेश में 102 सब-डिवीजन लैब और 52 जिला स्तरीय लैब हैं, लेकिन अधिकतर जगहों पर वैज्ञानिक जांच की जिम्मेदारी नियमित केमिस्ट की बजाय लैब असिस्टेंट, संविदा और आउटसोर्स कर्मचारियों के कंधों पर है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह व्यवस्था न सिर्फ विभागीय नियमों के खिलाफ है, बल्कि आम लोगों की सेहत के साथ भी बड़ा जोखिम है। सिस्टम की हालत का सबसे बड़ा उदाहरण राजधानी भोपाल स्थित प्रदेश स्तरीय अनुसंधान प्रयोगशाला है, जिसे पूरे राज्य की रेफरेंस लैब माना जाता है।

गजट नियमों को दरकिनार कर नर्सिंग भर्ती निकालने पर हाई कोर्ट सख्त

चिकित्सा शिक्षा विभाग को नोटिस

भोपाल। मध्य प्रदेश कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) द्वारा जारी नर्सिंग फैकल्टी भर्ती की अधिसूचना कानूनी विवादों में घिर गई है। प्रदेश के अनुभवी नर्सिंग आफिसरों ने इसे वर्ष 2024 के राजपत्र (गजट) का उल्लंघन बताते हुए हाई कोर्ट की शरण ली है। मामले की गंभीरता को देखते हुए उच्च न्यायालय ने लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के प्रमुख सचिव सहित अन्य संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर तीन सप्ताह में जवाब मांगा है।

अधिवक्ता अभिषेक पांडेय और अंशुल तिवारी ने 67 नर्सिंग आफिसरों की ओर से दायर याचिका में दलील दी कि वर्ष 2024 की गजट अधिसूचना के अनुसार एसोसिएट प्रोफेसर के 100 प्रतिशत पद पदोन्नति (प्रमोशन) से भरे जाने चाहिए थे, लेकिन विभाग ने नियमों को ताक पर रखकर 40 पदों को सीधी भर्ती के लिए विज्ञापित कर दिया। इसी तरह असिस्टेंट प्रोफेसर के पदों पर भी 60 प्रतिशत पदोन्नति का कोटा खत्म कर सभी पद सीधी भर्ती से निकालने का आरोप लगाया गया है। संकट में लिया काम, अब हक से किया महरूम याचिकाकर्ताओं का कहना है कि सीबीआई जांच के दौरान जब नर्सिंग कालेजों में फैकल्टी का गंभीर संकट खड़ा हुआ था, तब शासन ने इन्हीं अनुभवी नर्सिंग आफिसरों को अस्थायी प्रभार देकर वर्षों तक असिस्टेंट प्रोफेसर और एसोसिएट प्रोफेसर के रूप में सेवाएं लीं। अब जब नियमितीकरण और पदोन्नति का समय आया, तो विभाग ने अनुभवी हाथों को मौका देने के बजाय नई भर्ती निकालकर उनके साथ अन्याय किया है।

संडे लाइफ

भोपाल, रविवार, 11 जनवरी 2026

फिटनेस फंडा

वजन घटाना ही नहीं, शरीर मजबूत बनाना भी जरूरी

महिलाओं के लिए सही है वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज़

वेट ट्रेनिंग एक्सरसाइज महिलाओं के लिए एकदम सही हैं। महिलाओं के लिए, यह हार्मोनल संतुलन बनाए रखने, मूड को बेहतर बनाने और उम्र से संबंधित मांसपेशियों के क्षय और ऑस्टियोपोरोसिस को रोकने में भी सहायक है। ऐसे फायदे लेने इन्हें आजमाया जा सकता है।

वेट ट्रेनिंग, जिसे रेजिस्टेंस ट्रेनिंग या स्ट्रेंथ ट्रेनिंग भी कहा जाता है, में डम्बल, बारबेल, रेजिस्टेंस बैंड या शरीर के वजन जैसे वज़न का उपयोग करके ताकत और मांसपेशियों का निर्माण किया जाता है। यह एक मिथक है कि इससे मांसपेशियां भारी हो जाती हैं, लेकिन वास्तव में वेट ट्रेनिंग महिलाओं के लिए बहुत फायदेमंद हो सकती है। यह शरीर को टोन करने, लीन मांसपेशियां बनाने, शरीर की चर्बी कम करने, मेटाबॉलिज्म बढ़ाने, हड्डियों को मजबूत करने और पोस्चर सुधारने में मदद करती है।

स्क्वैट्स: स्क्वाट्स पूरे शरीर को मजबूत बनाने वाला एक शक्तिशाली व्यायाम है जो मुख्य रूप से ग्लूट्स, क्वाड्स और हैमस्ट्रिंग्स को लक्षित करता है। डम्बल या बारबेल जोड़ने से प्रतिरोध बढ़ता है और मांसपेशियों को टोन करने और निचले शरीर की ताकत बढ़ाने में मदद मिलती है। ये आपके कोर को भी सक्रिय करते हैं और संतुलन और स्थिरता में सुधार करते हैं। महिलाओं के लिए, स्क्वाट्स निचले शरीर को उठाने और आकार देने के साथ-साथ गतिशीलता में सुधार करने में मदद कर सकते हैं।

डेडलिफ्ट: डेडलिफ्ट्स से कूल्हे, हैमस्ट्रिंग, पीठ का निचला हिस्सा और कोर जैसी मांसपेशियां काम करती हैं। ये शरीर की मुद्रा सुधारने और पीठ के निचले हिस्से को मजबूत बनाने के लिए बेहतरीन हैं, जो खासकर उन महिलाओं के लिए फायदेमंद है जो लंबे समय तक बैठी रहती हैं। बारबेल या डम्बल का इस्तेमाल करने से ज़्यादा मांसपेशियां सक्रिय होती हैं और समय के साथ ज़्यादा चर्बी कम होती है।

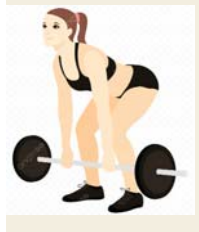

लंज एक्सरसाइज: लंज एक्सरसाइज से ग्लूट्स, क्वाड्स और काफ मसल्स पर असर पड़ता है और साथ ही कोर स्टेबिलिटी भी जरूरी होती है। डम्बल पकड़कर लंज करने से अतिरिक्त रेजिस्टेंस मिलता है और कोऑर्डिनेशन बेहतर होता है। ये पैरों और ग्लूट्स को शेप देने के लिए बेहतरीन हैं और पैरों के बीच मसल्स के असंतुलन को ठीक करने में भी मदद कर सकते हैं।

ओवरहेड शोल्डर प्रेस: यह व्यायाम कंधों और ऊपरी पीठ को लक्षित करता है, जिससे ऊपरी शरीर की ताकत और मुद्रा में सुधार होता है। यह विशेष रूप से महिलाओं के लिए फायदेमंद है, खासकर डेस्क जॉब या देखभाल के कारण झुके हुए कंधों की समस्या से निपटने में। यह बाहों को भी मजबूत बनाता है और दैनिक ऊपरी शरीर की गतिविधियों में सहायता करता है।

बेंट-ओवर रो एक्सरसाइज : बेंट-ओवर रो एक्सरसाइज पीठ के ऊपरी हिस्से, कंधों और बाहों को मजबूत बनाने के उद्देश्य से की जाती है, और यह संतुलित और मजबूत पीठ बनाने के लिए एकदम सही है। डम्बल या बारबेल का उपयोग करके, यह व्यायाम पीठ की चर्बी कम करने, मुद्रा में सुधार करने और बाहों की ताकत बढ़ाने में मदद करता है, जो बैग या बच्चों को उठाने जैसे दैनिक कार्यों के लिए महत्वपूर्ण है।

चेस्ट प्रेस: चेस्ट प्रेस से छाती, कंधे और ट्राइसेप्स की मांसपेशियां मजबूत होती हैं। इसे अक्सर बेंच पर लेटकर डम्बल या बारबेल की मदद से किया जाता है। यह व्यायाम ऊपरी शरीर को टोन करने में मदद करता है और नीचे की मांसपेशियों को मजबूत बनाकर स्तनों को सहारा देता है, जिससे छाती अधिक सुडौल दिखती है।

ग्लूट ब्रिज: ग्लूट ब्रिज, ग्लूट मांसपेशियों को अलग से लक्षित करके मजबूत बनाने के लिए सबसे अच्छे व्यायामों में से एक है। कूल्हों पर बारबेल या डम्बल लगाने से प्रतिरोध बढ़ जाता है। मजबूत ग्लूट्स कूल्हों की स्थिरता को बेहतर बनाने, पीठ के निचले हिस्से के दर्द को कम करने और नितंबों को सुंदर आकार देने में मदद करते हैं।

प्लैंक रो: कोर स्ट्रेंथ और ऊपरी शरीर की टोनिंग को मिलाकर, प्लैंक रो में एक हाथ से डम्बल उठाते हुए प्लैंक पोजीशन में रहना शामिल है। यह पेट, तिरछी मांसपेशियों, पीठ और बाहों को एक साथ लक्षित करता है। महिलाओं के लिए, यह कार्यात्मक शक्ति बढ़ाने और कम समय में अधिक कैलोरी जलाने में मदद करता है।

जीवन -ज्योति

सिस्टर बी के शिवानी

आत्मा को अच्छा भोजन दें...मैं वही हूँ, जो मेरा मन ग्रहण करता है

हम बहुत कुछ देखते हैं, सुनते हैं, पढ़ते हैं अच्छा या बुरा वही तत्व हमारे अंदर जाते हैं और वही हमारा व्यक्तित्व भी बनता है...! हमारे पास दो विकल्प होते हैं। सकारात्मक और नकारात्मक। हम जो ग्रहण करते हैं वही हमारे व्यक्तित्व में भी शामिल होता है। आज हम तनाव में जी रहे हैं, छोटी-छोटी बातों पर परेशान हो जाते हैं, मन खाली-खाली लगता हैं। इसका कारण यही है हम अपने अंदर कैसे विचार भर रहे है।

अगर हम कोई बुरी खबर पढ़ते है तो हमने तो सिर्फ पढ़ा परन्तु वह हमारे चित पर बैठ जाता है। और यही तरंगें हमारे मन में अपने-अपनों के लिए भी बनने होने लगती हैं। कहीं उनके साथ कुछ ऐसा ना हो जाए ,ये हमारे व्यक्तित्व का हिस्सा बन जाती है।

हम बाहरी दुनिया में जो हो रहा है वो बदल नहीं सकते परन्तु हमें क्या ग्रहण करना है ये तो हमारे हाथ में है। अगर मैं कोई जनक फ़ूड खाती हूँ तो मुझे पता है मेरे शरीर के लिए ये सही नहीं है। मैं ये जानती हूँ पर अब वो मेरे शरीर का हिस्सा बन ही गया ना। इसी तरह अगर हम अपने मन को जनक फॉर्मेशन देंगे तो वो बीमार हो जाएगा। आज बाहरी दुनिया में बहुत कुछ गलत हो रहा है लेकिन हम क्यों उसे देखकर करके अपने व्यक्तित्व का हिस्सा बना रहे है।

आज हम अपने संस्कारों व दृष्टिकोण को परिवर्तन करने की बात कर रहे हैं लेकिन हम नकारात्मकतामे फंसे हुए है। नकारात्मकता की सिर्फ ऐसी सोच नहीं। दर्द, उदासी जलन ये सारे भाव भी हैं। आज हम इन सबसे मुक्त होना चाहते है तो इसका हल क्या है...?

आइए आज से हम एक मंत्र पक्का करते हैं कि आत्मा को अच्छा भोजन देना शुरू करेंगे। तामसिक भोजन बिलकुल नहीं। एक पल के लिए भी नहीं। इसके लिए पक्का निश्चय करना है... ! मैं वो हूँ जो मेरा मन ग्रहण करता है। हमें दिन कि शुरुआत सकारात्मक सोच से करनी है और सारा दिन ऐसी ही सोच में रहना है। सभी को सकारात्मक तरंगें प्रेषित करनी हैं।

सितारों की बात

पंडित विष्णु राजौरिया

सप्ताह का राशिफल दिनांक 11 जनवरी से 17 जनवरी तक

मेष: मेष राशि के जातक इस वर्ष आकस्मिक खर्च व्यवहार प्रभार की स्थिति में रहेंगे। आलस्य प्रमाद की उत्पत्ति में कर्म क्षेत्र में बाधा बन सकती है। अतः अपने कार्यों को नियोजित और संतुलित रूप से करने की आवश्यकता बनी रहेगी, स्थिर चित्र लेनदेन में अपने व्यवहार में सतर्कता रखें क्योंकि राजकाज में अधिक समय व्यतीत होने से हानि, अपवाद, अपयश की संभावना बनी रहेगी।

वृषभ: वृषभ राशि के जातक इस वर्ष अपने ग्रह गोचर के अनुकूल प्रभाव से उपलब्धियां प्राप्त कर सकते हैं। विकास में अभिवृद्धि जीवन में गतिशीलता राजनीतिक कार्यों में वर्चस्व अवरोध दूर होना। जनसंपर्क में निरंतर वृद्धि सामाजिक कार्यों में एवं रचनात्मक कार्यों में मनोवृति होने से यश और कीर्ति की प्राप्ति होगी। सामान्य रूप से स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। लाभ और आमदनी के कार्यों में विशेष सफलता मिलने के सहयोग बना रहे हैं ।

मिथुन: मिथुन राशि के जातक इस वर्ष सामान्य रूप से प्रतिफल प्राप्त करते रहेंगे। अपने नीचे कार्यों में जितना श्रम लगाएंगे उससे कुछ नून फल प्राप्त होने के संकेत हैं। अतः अपनी रीति नीति और विवेक गुणधर्मों का जीवन के विकास पक्ष में समावेश विशेष करके रखें, तथा किसी भी प्रकार के अमानवीय कार्यों से बचाव का प्रयास रखें।

कर्क: कर्क राशि के जातक इस वर्ष विशेष शुभ कार्यों को करने में सक्षम रहेंगे, आपकी समस्याओं का समाधान समय-समय पर होता रहेगा , वैसे नवीन कार्यों के प्रति आप विशेष सजगता रखें, नए कार्यों को प्रारंभ करने से पहले उनके परिणामों के विषय में विशद अध्ययन करें, तब कदम आगे बढ़ाएं क्योंकि 35% सफलता के संकेत इस वर्ष में बना रहे हैं ,जो की अर्जित संपदा अक्षुण्ण रखने की प्रयासों की आवश्यकता बतला रहे हैं।

सिंह : सिंह राशि के जातकों को इस वर्ष का ग्रह गोचर आपके जीवन के लिए विशेष योगदान प्रदान करने वाला नहीं है। अतः विशेष कर कोई मानसिक चिंतन गुप्त विकार कोई शारीरिक पीड़ा आपकी योजनाओं में अवरोध बन सकती है। श्रम साधना से लाभ होता रहेगा, परंतु न्यूनता बनी रहेगी, जीवन के 35% अवसरों पर इस वर्ष सफलता प्राप्त करेंगे।

कन्या: कन्या राशि के जातक इस वर्ष अपने जीवन में सुखद अनुभूति प्राप्त कर सकते हैं सामान्य कम का जीवन चलता रहेगा ,विशेष उन्नत कार्यों की योजना नव संपर्क बना रहेगा ,परिवार तथा दांपत्य जीवन के हित के कार्य सफल होने से आपके मन में प्रसन्नता बनी रहेगी ,संतान के विशेष कार्यों का समय पर योग बन रहा है ।इस वर्ष में आपके परिवार में कोई मांगलिक कार्य संपन्न हो सकता है।

तुला: तुला राशि के जातक इस वर्ष उत्तम सफलताएं प्राप्त करेंगे, आपकी अपेक्षा के अनुकूल वातावरण का निर्माण होगा, अपने जीवन में सुख संपदा वैभव विकास में अभिनव योगदान प्राप्त होगा, साथ ही शत्रु पक्ष और विरोध में रहने वाले लोग स्वत पराजित होंगे। अथवा पलायन कर जाएंगे। आपके मन में उत्साह का भाव रहेगा। अपनी शक्ति का सदुपयोग करें, आप इस वर्ष 65% तक सफलता प्राप्त करेंगे।

वृश्चिक: वृश्चिक राशि के जातक इस वर्ष के ग्रह गोचर की गति के अनुसार सामान्य फल प्राप्त करेंगे, आपके जीवन में परिवर्तन गतिशीलता बनी रहेगी, आर्थिक स्थिति पहले की अपेक्षा मजबूत होगी आपके शुभ मांगलिक कार्यों की संपन्नता होने के संकेत मिल रहे हैं। मानसिक संतोष में कुछ न्यूनता संपत्ति के प्रति हो सकती है।

धनु: धनु राशि के जातक इस वर्ष अपने कार्य क्षेत्र में कठिनाइयों का अनुभव कर सकते हैं। आप अपने विकास संपदा के कार्यों में आर्थिक स्थिति से उबर में कुछ कठिनाई महसूस करेंगे। इसके निवारण हेतु शनि की आराधना हनुमत आराधना करने से सफलता के सूत्र मिलेंगे।

मकर: मकर राशि के जातक अब पहले की अपेक्षा अतः गत वर्ष की अपेक्षा रचनात्मक कार्यों में अपनी क्रिया शक्ति में उत्साह का अनुभव करेंगे, आपकी योजना अब मूर्त रूप ले सकती है। भाग्य उन्नति के कार्यों में वृद्धि होगी, इस वर्ष आप 70% तक सफलता प्राप्त करने का संकेत मिल रहा है, अतः अपने उत्साह में संतुलन बनाकर रखें।

कुंभ: कुंभ राशि के जातक इस वर्ष में अपने ग्रह गोचर के अनुसार कुछ कठिनाई का अनुभव कर सकते हैं। आपको अपनी योजनाओं को लंबित होने से आर्थिक लेन देन से परिवार की सुख शांति में व्यवधान आने से कठिनाई का सामना करना पड़ सकता है। सामाजिक राजनीतिक एक एवं पारिवारिक क्रियाकलापों में असंतोष हो सकता है ,साथी अपने शारीरिक रूप से कुछ अंगों में तकलीफ का अनुभव कर सकते हैं।

मीन: मीन राशि के जातक इस वर्ष की ग्रह गणना और गोचर गति के अनुसार सुख संपदा के कार्यों में तेजी से कार्य करने का प्रयत्न कर सकते हैं। इन सब कार्यों में आपको विशेष सावधानी रख कर चलने की आवश्यकता बनी रहेगी, आपके इस वर्ष में सुयोग का प्रतिशत साथ रहेगा और उपयोग का प्रतिशत लगभग 40% बना हुआ है। उत्साह का वातावरण बनाकर रखें शारीरिक संचालन में सावधानी रखने की आवश्यकता है। वहां पाषाण और शास्त्र से विशेष संयम से कार्य करें ,राज्य कार्य में समय व्यतीत होगा, व्यर्थ के विवाद से बचने की आवश्यकता बनी रहेगी, पूर्व अर्जित कोष को व्यवस्थित ढंग से रखें, और अनावश्यक व्यय से बचें ग्रह शांति विधान करना उपयुक्त रहेगा।

पेरेंटिंग

नाजुक मौकों पर बच्चों को डांटने से बचें दिलो-दिमाग में बैठ सकती है कड़वी बात

कई बार ऐसे हालात बन जाते हैं जब पेरेंट्स बच्चों से परेशान हो जाते हैं और गुस्से में उन पर चिल्ला देते हैं या डांट देते हैं। हालांकि, वे ऐसा करना नहीं चाहते, लेकिन कभी-कभी बच्चे इतना ज्यादा परेशान कर देते हैं कि माता-पिता लाख कोशिशों के बावजूद खुद को कंट्रोल नहीं कर पाते हैं और वे ऐसा रिएक्शन दे देते हैं। लेकिन हैप्पी माइंड्स की फाउंडर श्वेता गांधी के मुताबिक, इसके बावजूद पेरेंट्स को यह समझना चाहिए कि कई ऐसे मौके होते हैं, जब बच्चों को बिल्कुल भी डांटना नहीं चाहिए।

सबसे पहले तब बच्चे को बिल्कुल नहीं डांटना चाहिए जब बच्चा सोकर उठे, क्योंकि

सुबह-सुबह जागते समय उसका पूरे दिन का इमोशनल टोन ऑफ द डे सेट हो रहा होता है। ऐसे में अगर उस वक्त कुछ भी बुरा कह दिया जाए, तो बच्चे का पूरा दिन खराब हो सकता है। दूसरा, जब बच्चा स्कूल जा रहा हो, उस समय उसे कभी नहीं डांटना चाहिए। क्योंकि उस वक्त कही गई बात वह अपने दिल में बसा लेता है और फिर पूरे दिन उसी के बारे में सोचता रहता है। इसलिए पेरेंट्स को ऐसी गलती करने से बचना चाहिए। तीसरा मौका तब होता है जब बच्चे स्कूल से वापस आते हैं। उस समय वे थके हुए हो सकते हैं और बात करने के मूड में भी नहीं होते। ऐसे में बच्चों को डांटने के बजाय उन्हें इमोशनल सेफ्टी देना जरूरी होता है।

सोते समय न बोलें तीखी बात : साथ ही, जब बच्चा सोने जा रहा हो, तब भी माता-पिता को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वे उससे कोई तीखे या कठोर शब्द न कहें। उस समय बच्चे का सबकॉन्शियस माइंड एक्टिव होता है और माता-पिता के शब्द उसके दिल-दिमाग में गहराई से बैठ जाते हैं। अंत में, लेकिन सबसे अहम मौका तब होता है जब बच्चा टैंट्रम दिखा रहा हो, चीख रहा हो या चिल्ला रहा हो। उस समय बच्चे को डांट या अनुशासन की नहीं, बल्कि आपके साथ के कनेक्शन की ज़रूरत होती है। ऐसे वक्त में माता-पिता को उसे सिर्फ अपनापन और भावनात्मक सुरक्षा देनी चाहिए, कोई लेक्चर नहीं देना चाहिए।

टेक्नो अपडेट

'D2M' तकनीक की टेस्टिंग सफल , मोबाइल में बिना इंटरनेट चलेंगे लाइव टीवी चैनल

पिछले काफी वक्त से देश में डायरेक्ट-टू-मोबाइल (D2M) टेक्नोलॉजी को लेकर काम चल रहा है। इस तकनीक के जरिए मोबाइल फोन्स में लाइव टीवी चैनल देखे जा सकेंगे, वो भी बिना इंटरनेट के। यानी आम लोगों को नेट की जरूरत नहीं पड़ेगी और वो लाइव टीवी चैनल देख पाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, सरकारी प्रसारक-प्रसार भारती ने D2M तकनीक का टेस्ट करवाया है। इस टेस्ट में जियो, एयरटेल, वोडा-आइडिया जैसी टेलिकॉम कंपनियों को शामिल नहीं किया गया, जिसे लेकर सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने चिंता जताई है। D2M तकनीक को अगर आम भाषा में समझना हो तो इसका मुख्य उद्देश्य किसी मोबाइल फोन में लाइव टीवी चैनल दिखाना है। यह काम बिना इंटरनेट के होगा। फोन में टीवी चैनल दिखाने के लिए टेलिकॉम कंपनियों जैसे- जियो-एयरटेल के टावरों का इस्तेमाल नहीं किया जाएगा। कहा जाता है कि इसका सबसे ज्यादा फायदा ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोगों को होगा। उन्हें बिना मोबाइल नेटवर्क के भी सभी जानकारियां दी जा सकेंगी। आपत स्थिति में अलर्ट जारी हो पाएगा।

कहां तक पहुंची यह तकनीक: प्रसार भारती ने IIT कानपुर के साथ एक समझौता किया था। 2019 में हुए समझौते के तहत यह चेक किया जाना था कि D2M तकनीक की वजह से मोबाइल सेवाओं में तो कोई दिक्कत नहीं आएगी? साथ ही यह भी देखा जाना था कि लाइव टीवी चैनलों को ट्रांसमीट करने से मोबाइल फोन गर्म तो नहीं हो जाएंगे। एक रिपोर्ट के अनुसार, प्रसार भारती ने इस तकनीक की टेस्टिंग की है। आईआईटी कानपुर ने टेलिकॉम इंजीनियरिंग सेंटर और एराकॉन टेक्नोलॉजी नाम के पार्टनर के साथ तकनीक को टेस्ट किया। कहा जाता है कि टेस्टिंग के दौरान तकनीक को सपोर्ट करने वाले मोबाइल को यूज किया गया। इसकी रिपोर्ट पिछले साल नवंबर में आई है, जिसमें किसी तरह की चिंता की जरूरत को गलत बताया गया है यानी D2M तकनीक की वजह से मोबाइल सिग्नलों पर असर ना होने की बात है।

हालांकि सेलुलर ऑपरेटर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया का कहना है कि D2M ब्रॉडकास्टिंग को लेकर जो तकनीकी टेस्ट किए गए हैं, वो चिंता बढ़ाने वाले हैं।

अजब - गजब

दुनिया का अजूबा 'अटाकामा डेजर्ट' 400 सालों से बारिश नहीं, फिर भी नहीं कोई प्यासा

क्या आपने कभी सोचा है कि ऐसा कोई जगह हो सकती है जहां सैकड़ों सालों तक बारिश ना हो, लेकिन वहां कोई प्यासा ना मरे? जी हां, ऐसा ही एक चमत्कारिक स्थान है चिली का अटाकामा डेजर्ट। यह दुनिया का सबसे सूखा गैर-ध्रुवीय रेगिस्तान है, जहां कुछ इलाकों में पिछले 400 सालों से ज्यादा समय तक एक भी बूंद बारिश नहीं दर्ज हुई है।

कुछ वेदर स्टेशनों पर तो कभी बारिश रिकॉर्ड ही नहीं हुई है। फिर भी यह जगह पर्यटकों की पसंद बनी हुई है और नासा के वैज्ञानिकों का सबसे फेवरेट स्पॉट है। नासा अपने मंगल मिशनों के लिए इसी जगह पर ट्रायल करता है। अगर देखा जाए तो वाकई ये जगह धरती पर मौजूद मंगल ग्रह जैसी ही नजर आती है। अटाकामा डेजर्ट चिली के उत्तरी हिस्से में फैला हुआ है, जो प्रशांत महासागर के किनारे और एंडीज पर्वतों के बीच स्थित है। यहां सूखेपन की वजह दोहरी 'रेन शैडो' इफेक्ट है। एक तरफ एंडीज पर्वत पूर्व से आने वाली बारिश के बादलों को रोक लेते हैं और दूसरी तरफ ठंडी हम्बोल्ट्ट करंट प्रशांत से आने वाली नमी को सोख लेती है। नतीजा, सालाना औसत बारिश सिर्फ 1-15 मिलीमीटर और कुछ जगहों पर 0.03 इंच तक! सबसे हैरान करने वाली बात यह है कि यहां जीवन पूरी तरह खत्म नहीं हुआ। यहां फ्लेमिंगो, लामा, विकुना जैसे जानवर घूमते हैं। नमक के मैदान) में पानी की झीलें हैं, जहां हजारों फ्लेमिंगो इकट्ठा होते हैं। यहां की खूबसूरती इतनी अनोखी है कि इसे 'वैली ऑफ द मून' कहा जाता है।

नासा की पसंदीदा जगह: NASA अटाकामा को बेहद पसंद करते हैं क्योंकि यह मंगल ग्रह जैसा है। यहां की मिट्टी, सूखापन और एक्सट्रीम कंडीशंस मंगल पर जीवन की संभावना समझने में मदद करती है। एस्ट्रोबायोलॉजिस्ट यहां आकर टेस्ट करते हैं। साथ ही, दुनिया के सबसे बड़े टेलीस्कोप यहां लगे हुए हैं। आसमान इतना साफ है कि रात में आकाशगंगा नंगी आंखों से दिखती है। स्टार गेजिंग के लिए ये जगह परफेक्ट है। यहां पर्यटन भी जबरदस्त है। सैन पेड्रो डे अटाकामा शहर का बेस है, जहां से टूर जाते हैं। कभी-कभी एल नीनो के कारण अचानक बारिश होती है, तब पूरा डेजर्ट फूलों से भर जाता है। इसे 'डेजर्ट ब्लूम' कहते हैं। लेकिन ज्यादातर समय यहां सूखा ही रहता है, जो इसे और खास बनाता है।

न्यूज विंडो

उदयपुर पहुंचकर सीएम ने नीलकंठेश्वर मंदिर में किया जलाभिषेक पूजन

गंजबासौदा। भारत के प्रथम ज्योतिर्लिंग गुजरात के सोमनाथ मंदिर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा शुरू किए गए स्वाभिमान पर्व की श्रृंखला के अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव शनिवार को दोपहर बासौदा तहसील अंतर्गत उदयपुर पहुंचे। उन्होंने यहां 11वीं शताब्दी के करीब 1000 साल पुराने प्राचीन श्री नीलकंठेश्वर महादेव मंदिर में पंडित नवीन कृष्ण शास्त्री एवं पंडित देवेंद्र भार्गव सहित आचार्यों के मार्गदर्शन में विधिवत शिवलिंग का जलाभिषेक दुग्धाभिषेक, पूजन-अर्चन और मंत्र जाप किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर की परिक्रमा कर गर्भगृह में पंचाक्षर मंत्र के साथ रुद्राभिषेक किया। मुख्यमंत्री ने मंदिर परिसर में मौजूद रहकर पुरातत्व विभाग के अधिकारियों से नीलकंठेश्वर मंदिर की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि और शिल्प-कला की जानकारी ली। लगभग एक हजार वर्ष पुराने इस शिव मंदिर की नक्काशी और स्थापत्य को उन्होंने अद्भुत बताते हुए धार्मिक-पुरातात्विक दृष्टि से इसे महत्वपूर्ण धरोहर बताया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 500 वर्षों के संघर्ष के बाद अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर आज राष्ट्र की आस्था का केंद्र बन चुका है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उज्जैन का महाकाल लोक और काशी का विश्वनाथ धाम भी भारत की सांस्कृतिक चेतना को नई ऊंचाइयों तक ले जा रहे हैं। देवालय सुरक्षित और सुदृढ़ होंगे तो हमारी संस्कृति की धारा स्वतः मजबूत होगी। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री द्वारा सोमनाथ से शुरू किया गया देवस्थानों के पुनरुत्थान का अभियान वंदनीय है। यह केवल पत्थरों का निर्माण नहीं, बल्कि हजार साल पुराने आघातों को धोकर भारत की सांस्कृतिक पुनर्स्थापना और भविष्य की सुरक्षा को सुदृढ़ करने का संकल्प है। धार्मिक-पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित होगा।

अतिक्रमणकारियों पर नपा की कार्रवाई पांच ठेले जब्त कर लगाया जुर्माना

नर्मदापुरम। सड़कों पर अवरोध पैदा कर व्यवसाय करने वालों के खिलाफ नगरपालिका ने रविवार को जोरदार कार्रवाई की। मुख्य नगरपालिका अधिकारी (सीएमओ) हेमेश्वरी पटले के नेतृत्व में अतिक्रमण दल ने हीरो होंडा शोरूम से नेहरू पार्क और पानी की टंकी तक के क्षेत्र में छापा मारा। इस दौरान 75 क्रेट, 5 ठेले जब्त कर लिए गए, जबकि 4 फल-सब्जी विक्रेताओं पर जुर्माना ठोंका गया।अतिक्रमण दल के सहप्रभारी सुनील राजपूत ने बताया कि सीएमओ के सख्त निर्देश पर यह अभियान चलाया गया। दोबारा सड़क अवरुद्ध करने पर जब्ती के साथ भारी जुर्माना लगाने की चेतावनी दी गई है। जिम्मेदारी पूरी तरह अतिक्रमणकारियों की होगी। सीएमओ पटले ने नेहरू पार्क स्थित पानी की टंकी का निरीक्षण किया। साथ ही सफाई और दमकल कार्यालय का दौरा कर त्योहारों के मद्देनजर सतर्क रहने के निर्देश दिए। नर्मदा प्रकटोत्सव, नगर गौरव यात्रा और आगामी धार्मिक त्योहारों को देखते हुए ऐसी कार्रवाइयां लगातार जारी रहेंगी।

नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन पर ध्वज स्तंभ पांच माह से खाली, भाजपा ने सौंपा ज्ञापन

नर्मदापुरम। अमृत भारत योजना के तहत नर्मदापुरम रेलवे स्टेशन पर लगाए गए 100 फीट ऊंचे राष्ट्रीय ध्वजस्तंभ पर पिछले पांच माह से तिरंगा फहराया नहीं जा रहा है। रेलवे प्रबंधन ने तकनीकी समस्या बताकर ध्वज उतार दिया था, तब से ध्वजस्तंभ खाली पड़ा है। शहरवासियों में इसकी नाराजगी बढ़ रही है।भाजपा कार्यकर्ता मनीष परदेशी ने शुक्रवार को स्टेशन अधीक्षक को ज्ञापन सौंपा और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को एक्स पर जानकारी दी। ज्ञापन में कहा गया है कि रेलवे की लापरवाही से ध्वजस्तंभ शोपीस बन गया है। उन्होंने मांग की कि गणतंत्र दिवस से पहले समस्या दूर कर तिरंगा फहराया जाए, वरना नागरिक वैकल्पिक तिरंगा लगाएंगे। ज्ञापन की प्रति डीआरएम भोपाल को भी भेजी गई है।

राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में सेवा सप्ताह का किया आयोजन

मंडीदीप। स्वामी विवेकानंद की जयंती और राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर यूथ रेड क्रॉस के तत्वावधान में महाविद्यालय स्तर पर सेवा सप्ताह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में राजाभोज शासकीय महाविद्यालय मंडीदीप की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवकों ने सतलापुर क्षेत्र में एक जागरूकता रैली निकाली। रैली के माध्यम से स्वयंसेवकों ने स्थानीय नागरिकों को स्वच्छता का महत्वपूर्ण संदेश दिया और विभिन्न जागरूकता गतिविधियों में सक्रिय भाग लिया। इसके पश्चात स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय परिसर एवं प्रांगण को प्लास्टिक मुक्त एवं गुटका मुक्त बनाने के उद्देश्य से विशेष सफाई अभियान चलाया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. संतोष कुमार भदौरिया ने स्वयंसेवकों को संबोधित करते हुए कहा कि युवाओं को स्वच्छता एवं समाज सेवा के प्रति सदैव जागरूक एवं सक्रिय रहना चाहिए। उन्होंने स्वामी विवेकानंद के आदर्शों का स्मरण कर युवाओं को समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। राष्ट्रीय सेवा योजना की बालिका इकाई की प्रभारी डॉ. कृष्णा राय चौहान, क्रीड़ा अधिकारी डॉ. संतोष वर्मा, डॉ. विनीता दांगी सहित अतिथि विद्वानों ने भी कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर भाग लिया और स्वयंसेवकों के साथ मिलकर श्रमदान किया।

नपा पुलिया के गड्ढे भरने दे रही तारीख पर तारीख, लोगों में बढ़ रहा आक्रोश

अजय आहूजा। मंडीदीप

शहर में स्टेशन रोड पुलिया, जो शहर की मंडी और रेलवे स्टेशन को जोड़ने वाली जीवन रेखा मानी जाती है, वहां बड़े-बड़े गड्ढों ने आम जनजीवन को नर्क बना दिया है। बाथम की होटल के सामने, नाले की पुलिया और विजय किराना स्टोर के सामने सड़क पर बने खतरनाक गड्ढे रोज वाहन चालकों व पैदल यात्रियों के लिए मौत का जाल बन चुके हैं।

दिसंबर के अंतिम सप्ताह में स्थानीय लोगों ने 48 घंटे के भीतर गड्ढे न भरने पर चक्काजाम की चेतावनी दी थी। जनआक्रोश को देखते हुए नगर पालिका अध्यक्ष ने सोशल मीडिया पर सार्वजनिक संदेश जारी कर एक सप्ताह में स्थायी रूप से गड्ढे भरने का भरोसा दिलाया था, लेकिन अब 15 दिन बीत चुके हैं और स्थिति ज्यों की त्यों बनी हुई है।

हालांकि लोगों की नाराजगी और दबाव को देखकर नपा ने जल्दबाजी में पुलिया के गड्ढों पर मिट्टी डालकर अस्थाई भराव कर दिया, लेकिन यह महज कागजी व्यवस्था साबित हो रही है। यहां भारी वाहनों के आने-जाने से मिट्टी उखड़ जाती है, और गड्ढे फिर से उभर आते हैं। स्थायी मरम्मत का कोई नामोनिशान नहीं !

जब नपा के जिम्मेदार अधिकारियों से इस बारे में बात की गई, तो वे जल्द स्थायी समाधान की बात दोहरा रहे हैं। लेकिन जनता अब इन खोखले वादों से तंग आ चुकी है। लोगों ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि सोमवार तक गड्ढों का स्थाई समाधान नहीं होता है तो इसके लिए आमजन सड़कों पर उतरने के लिए परहेज नहीं करेंगे।

> गूंगी बहरी स्थानीय निकाय को जगाने के लिए सड़कों पर उतरना ही होगा, वरना यह सिर्फ तारीख पर तारीख देते रहेंगे।
> -**वीरेंद्र मीणा** , पूर्व पार्षद
>
> क्या मंडीदीप की सड़कें सिर्फ वोट बैंक के लिए हैं, या यहां के लोग भी विकास का हकदार हैं।
> -**संजय राजपूत**, रहवासी वार्ड 01
>
> जनता की धैर्य की सीमा खत्म होने वाली है। यदि जल्द स्थायी मरम्मत नहीं हुई, तो चक्काजाम से लेकर बड़े आंदोलन तक की नौबत आ सकती है।
> -**छोटू मारण**, युवा सामाजिक कार्यकर्त्ता मंडीदीप
>
> स्टेशन रोड की पुलिया के गड्ढों पर मिट्टी नहीं बेस डाला गया है, जल्द पुलिया पर डामरीकरण किया जायेगा।
> -**प्रियंका राजेंद्र अग्रवाल**, नपाध्यक्ष मंडीदीप

नपाध्यक्ष ने जल व्यवस्था को हाईटेक और दुरुस्त करने खुद संभाली कमान

व्यवस्थाओं में सुधार के लिए कड़ा रुख अपनाया कहा-लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी

इटारसी। दोपहर मेट्रो

नगरवासियों को बेहतर सुविधाएं और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने के अपने संकल्प को दोहराते हुए नगरपालिका अध्यक्ष पंकज चौरे एक्शन मोड में नजर आए। उन्होंने शहर के सभी प्रमुख संपवेल और पानी की टंकियों का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान अध्यक्ष ने न केवल व्यवस्थाओं का जायजा लिया, बल्कि जल संकट की भविष्य की चुनौतियों को देखते हुए तत्काल सुधारात्मक कदम उठाने के कड़े निर्देश भी दिए।

निरीक्षण के दौरान सूरजगंज स्थित पानी की टंकी पर पंप ऑपरेटर की अनुपस्थिति को अध्यक्ष ने गंभीरता से लिया। उन्होंने स्पष्ट संदेश दिया कि जनता की सेवा में किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार्य नहीं है। मौके पर ही उन्होंने संबंधित ऑपरेटर का वेतन काटने के निर्देश दिए, जिससे विभाग के अन्य कर्मचारियों में भी अनुशासन का संदेश गया है। अध्यक्ष के इस औचक निरीक्षण से जल विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों में तत्परता देखी जा रही है। पंकज चौरे ने सीएमओ ऋतु मेहरा, सहायक यंत्री मीनाक्षी चौधरी और जल विभाग की टीम को निर्देश दिए कि सभी कार्यों को निर्धारित समय सीमा (डेडलाइन) के भीतर पूर्ण किया जाए। इस दौरान विधायक प्रतिनिधि देवेंद्र पटेल, रविन्द्र जोशी, और संजय दुबे सहित जल विभाग के प्रमुख कर्मचारी उपस्थित रहे। शहरवासियों ने अध्यक्ष की इस सक्रियता की सराहना की है, क्योंकि इससे ग्रीष्म ऋतु से पहले ही शहर की जल प्रदाय व्यवस्था चाक-चौबंद हो जाएगी।

जीर्ण-शीर्ण ढांचे का होगा कायाकल्प

नगरपालिका अध्यक्ष ने न्यास कॉलोनी पार्क स्थित क्षतिग्रस्त टंकी की स्थिति को भांपते हुए नागरिकों की सुरक्षा को सर्वोपरि रखा। उन्होंने जर्जर ढांचे के समाधान और नए विकल्पों पर विचार करने की बात कही। वहीं, धौखेड़ा और खेड़ा संपवेल की मोटरों की पेंटिंग, वायरिंग और प्रेशर ग्राउटिंग के जरिए सिस्टम को एपडेटज करने का निर्देश दिया, ताकि आने वाले समय में तकनीकी खराबी के कारण जलापूर्ति बाधित न हो।

हर टंकी की स्वच्छता व सुदृढ़ीकरण पर जोर

चौरे ने हर टंकी की गहराई से जांच की और अधिकारियों को क्वालिटी मेंटेनेंस का मंत्र दिया। गांधीनगर और सावरकर स्टेडियम की टंकियों की पीडब्लूडी लेबर से सफाई, नई सीढ़ियां लगाने और लीकेज दुरुस्त करने की योजना बनाई गई। पीपल मोहल्ला और हाउसिंग बोर्ड यहां वॉटरप्रूफिंग और प्लिंथ निर्माण कर ढांचों को मजबूती मिलेगी। न्यास कॉलोनी संपवेल आगामी समय में केमिकल ट्रीटमेंट कर पानी की शुद्धता सुनिश्चित की जाएगी

नर्मदा की लहरों पर छिड़ा अधिकार का संग्राम , केवट और कहार समाज में तकरार

महेश्वर। दोपहर मेट्रो

तीर्थ नगरी में नर्मदा की लहरों पर नाव चलाने के हक को लेकर केवट और कहार समाज के बीच आपसी खींचतान बढ़ती जा रही है। मामला अब कलेक्ट्रेट से होता हुआ एसडीएम की चौखट तक पहुँच गया है। शनिवार को मंडलेश्वर एसडीएम सुश्री पूर्वा मंडलोई ने दोनों पक्षों की संयुक्त बैठक ली, लेकिन घंटों चली चर्चा के बाद भी कोई ठोस समाधान नहीं निकल सका। फिलहाल प्रशासन ने वेट एंड वॉच की स्थिति अपनाई है। विवाद की शुरुआत तब हुई जब कहार समाज ने मंगलवार को जिला कलेक्टर भव्या मित्तल को ज्ञापन सौंपकर नाव चलाने के लाइसेंस की मांग की। इसके विरोध में केवट समाज ने मोर्चा खोल दिया। केवट समाज का तर्क है कि यह उनका पुश्तैनी और पारंपरिक व्यवसाय है, जबकि कहार समाज इसे संविधान प्रदत्त आजीविका के अधिकार से जोड़कर देख रहा है।

तहसील कार्यालय महेश्वर में आयोजित बैठक में माहौल तब गरमा गया जब दोनों पक्षों ने अपनी दलीलें पेश कीं। केवट समाज का पक्ष रखते हुए केवट समाज के प्रतिनिधि ने दो टूक कहा कि नाव चलाना हमारा पारंपरिक व्यवसाय है। वर्षों से हमारे पूर्वज यही काम कर रहे हैं। अगर बाहरी हस्तक्षेप हुआ या हमारे व्यवसाय को प्रभावित करने की कोशिश की गई, तो हम उग्र आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। कहार समाज के प्रतिनिधि महेंद्र वर्मा ने कहा कि संविधान सबको रोजगार की स्वतंत्रता देता है। केवट समाज इसे अपना एकाधिकार बताकर हमें रोक रहा है। हमने मांग की है कि हमें भी लाइसेंस जारी किए जाएं ताकि हम भी अपना पेट पाल सकें। बैठक के दौरान यह बात भी सामने आई कि कहार समाज द्वारा नाव चलाने को लेकर एक याचिका पूर्व से ही माननीय उच्च न्यायालय में लंबित है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि जब तक कोर्ट का कोई स्पष्ट दिशा-निर्देश या फैसला नहीं आता, तब तक नए लाइसेंस जारी करना चुनौतीपूर्ण है। कहार समाज ने नपा सीएमओ प्रियंका पंड्या से भी अनुरोध किया है कि यदि निकाय स्तर पर समझौते का शपथ पत्र पेश किया जाए, तो उन्हें जल्द राहत मिल सकती है। हालांकि, प्रशासन फिलहाल फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है ताकि क्षेत्र की शांति व्यवस्था भंग न हो।

मोटर साइकिल भिड़ंत में दो युवक घायल, रेफर

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

सिरोंज-लटेरी रोड पर टोरी बागरोद में दो मोटर साइकिल आमने-सामने से भिड़ गईं। गांव से निकले स्टेट हाइवे पर हुई इस बाइक दुर्घटना में दोनों बाइक सवारों को गंभीर चोट आई है। मौके पर मौजूद लोग उन्हें लेकर तुरंत ही सिरोंज के राजीव गांधी स्मृति चिकित्सालय पहुंचे। यहां पर प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को रेफर कर दिया गया। इनमें करण काशीराम कुशवाह 18 को परिजन भोपाल और अमित तोरणसिंह अहिरवार 19 को परिजन विदिशा लेकर रवाना हुए। दुर्घटना के बाद देर शाम तक दोनों बाइक सड़क पर जस की तस ही पड़ी रहीं। किसी ने भी इन्हें सड़क से नहीं हटाया था।

एक सप्ताह बाद भी युवक पुलिस गिरफ्त से दूर

सिरोंज। दोपहर मेट्रो

भगवान राम के प्रति अमार्यादित भाषा और अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में शनिवार को बड़ी संख्या में हिन्दू समाज एकजुट हुआ। 3 जनवरी को भीम आर्मी की सभा में पहुंचे दीपक बौद्ध ने प्रभु श्री राम को लेकर अपमानजनक भाषा का उपयोग किया था। इसके बाद सबसे पहले विहिप और बजरंग दल ने उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग की थी। इसके जिले भर में प्रदर्शन और ज्ञापन का दौर शुरू हो गया है।

दीपक बौद्ध के खिलाफ बढ़ रहे लोगों के गुस्से का सिरोंज में व्यापक असर दिखाई दिया। एक दिन पहले सोशल मीडिया पर मैसेज वायरल हुआ। जिसमें सभी सनातनियों को शनिवार दोपहर 1 बजे छतरी नाका चौराहे पर जुटने का आव्हान किया गया। यह मैसेज कौन ने कहां से वायरल किया था। इसकी जानकारी किसी को भी नहीं थी लेकिन शनिवार दोपहर में जब छतरी चौराहे पर रामभक्त एकजुट हुए तो पुलिस भी हैरान रह गई। 1.30 बजे यहीं से विरोध प्रदर्शन वाहन रैली शुरू हुई। जिसमें शामिल सभी लोग भगवान श्री राम के जयकारे और हमारे राम का अपमान हीं सहेगा हिन्दू समाज के नारे लगाए जा रहे थे। प्रदर्शन रैली में शामिल सभी लोग मुख्य बाजार से होते हुए नारेबाजी करते हुए थाना परिसर में एकजुट हो गए। इस प्रदर्शन की खास बात ये थे कि इसका कोई भी मुखिया नहीं था। थाना परिसर में एकत्रित होने के बाद भी नारेबाजी का दौर बना हुआ था। मौजूद लोगों ने जमीन पर बैठकर हनुमान चालिसा का पाठ शुरू कर दिया। इस समय भी इस प्रदर्शन जुलूस का कोई भी लीडर सामने नहीं आया। हनुमान चालिसा के बाद इन्हीं भक्तों में शामिल रिटायर्ड शिक्षक कैलाश रघुवंशी और वरिष्ठ समाजसेवी रामकरण रघुवंशी को बुलाया गया। इन्होंने ही ज्ञापन का वाचन किया। जिसमें भगवान राम पर टिप्पणी करने वाले युवक दीपक बौद्ध और 3 जनवरी को हुई भीम आर्मी की सभा के आयोजक पर रासुका के तहत कार्रवाई की मांग की गई है।

मेट्रो एंकर राज्यसभा सांसद माया नारोलिया का किया सम्मान

नर्मदापुरम में नई पेपर मशीन की स्थापना के लिए केंद्र सरकार की मिली मंजूरी

नर्मदापुरम। दोपहर मेट्रो

प्रतिभूति कागज कारखाना (एसपीएम) नर्मदापुरम में नवीन पेपर मशीन की स्थापना को केंद्र सरकार से हरी झंडी मिल गई है। इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर प्रतिभूति कागज कारखाना मजदूर संघ (बीएमएस) ने राज्यसभा सांसद माया नारोलिया का उनके कार्यालय में शॉल व पुष्पगुच्छ भेंटकर भावपूर्ण सम्मान किया। बीते दो वर्षों से सांसद नारोलिया के सतत प्रयासों के फलस्वरूप वित्त मंत्रालय ने प्रधानमंत्री व वित्त मंत्री के निर्देश पर प्रतिवर्ष 6 हजार मीट्रिक टन क्षमता वाली अत्याधुनिक सिलेंडर मोल्ड वैट मेड वाटरमार्कड बैंक नोट पेपर मैन्युफैक्चरिंग लाइन को मंजूरी दी है। बीएमएस पदाधिकारियों ने इसे नर्मदापुरम और पूरे देश के लिए मील का पत्थर बताया, जो बैंक नोट पेपर उत्पादन में आत्मनिर्भरता लाएगा। सांसद नारोलिया ने कहा पीएम-6 प्लांट की स्थापना से नर्मदापुरम में औद्योगिक विकास होगा, स्थानीय युवाओं को रोजगार मिलेगा और देश की मुद्रा प्रणाली अधिक सशक्त व सुरक्षित बनेगी। उन्होंने भविष्य में भी क्षेत्रीय विकास के लिए प्रयास जारी रखने का भरोसा दिलाया। कार्यक्रम में बीएमएस अध्यक्ष संजीव राणा, कार्यकारी अध्यक्ष पवन प्रजापति, महामंत्री संजय उपाध्याय सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। उन्होंने सांसद के प्रयासों की सराहना की और इसे नर्मदापुरम के स्वर्णिम भविष्य की आधारशिला बताया।

पुष्पांजलि

राजेश प्रसाद मिश्रा, IAS

15 जुलाई 1959–08 जनवरी 2026

उनके अनुकरणीय, समर्पित और गरिमापूर्ण जीवन को श्रद्धांजलि देने के लिए, उनकी स्नेहिल स्मृति में एक प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया है। परिवार के सदस्यों, दोस्तों, सहकर्मियों और शुभचिंतकों को दिवंगत आत्मा की शाश्वत शांति के लिए प्रार्थना करने और शोक संतप्त परिवार को सांत्वना और संबल प्रदान करने हेतु सादर आमंत्रित हैं।

दि. 11 जनवरी 2026 समय शाम 4.00 से 5.00 बजे तक
स्थान: सिंधु भवन, कांग्रेस कार्यालय के पीछे, भोपाल

शोक संतप्त परिवार

डॉक्टर निशा मिश्रा (पत्नि), सौम्या-रसाल द्विवेदी, IRS (पुत्री-दामाद), शोभना-संजय बंदोपाध्याय, IAS (बहन-बहनोई) प्रोफेसर शुभ्रा त्रिपाठी-रवि त्रिपाठी (बहन-बहनोई), श्रीजा-अजीत कुमार IAS (भांजी-दामाद), श्रीश त्रिपाठी-स्वेजल (भांजा-बहु), दिविका (भांजा), राजवी, निवा, इष्टि (नातिन)

न्यूज विंडो

अनियंत्रित ट्रक ने कई वाहनों को रौंदा, कार पर चढ़ा, एक की मौत

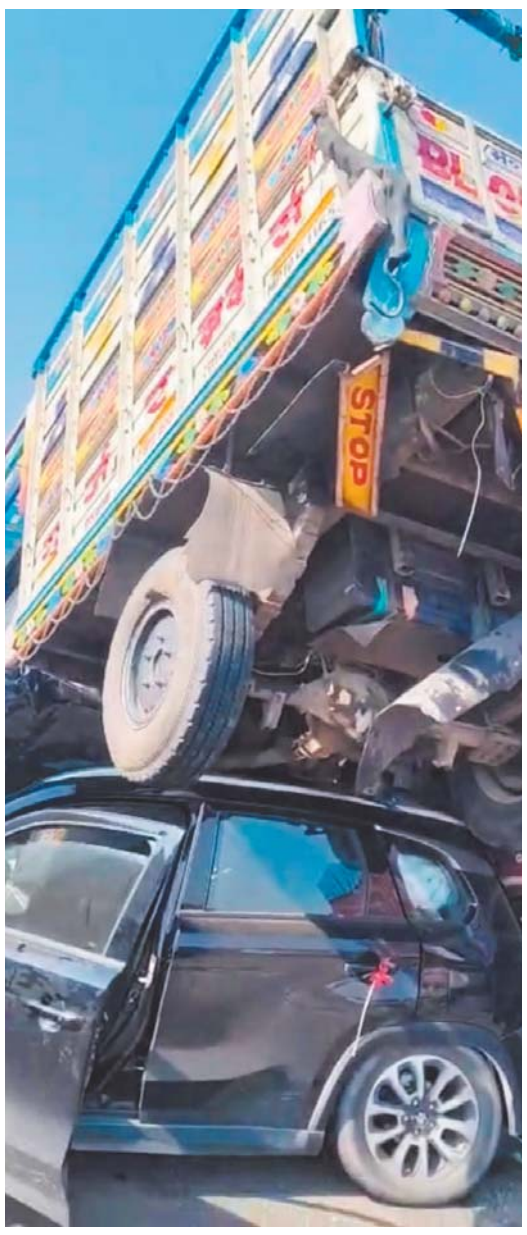

धार। राऊ- खलघाट फोरलेन भेरूघाट पर कंटेनर ने आगे चल रही बाइक सवार को रौंद कर कंटेनर बीच सड़क पर पलट गया था। हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई वहीं दूसरा गंभीर रूप से घायल हुआ है। हादसे के बाद 2 घंटे तक जाम की स्थिति बनी रही। जाम के खुलते ही कुछ ही देर में एक अनियंत्रित ट्रक कई वाहनों से जा भिड़ा। ट्रक के ब्रेक फेल होने से ट्रक ने 4 से 5 वाहनों को चपेट में ले लिया। हादसा इतना भीषण था कि पिकअप वाहन कार के ऊपर चढ़ गया जिससे कार बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हुई। गनीमत रही की कोई जनहानि नहीं हुई। बताया जा रहा की उज्जैन से त्रंबकेश्वर दर्शन के लिए दो कारों में सवार होकर परिवार जा रहा था जिसमें बच्चे और महिला मिलाकर आठ लोग सवार थे ये सभी सुरक्षित है। घटना की जानकारी लगते ही मानपुर पुलिस मौके पर पहुंची।

चौथे दिवस ताड़का, बाली व सुबाहु वध का किया मंचन

तेंदूखेड़ा। ग्राम खकरिया खुर्द, में आदर्श रामलीला मंडल शारदा धाम पतलोनी द्वारा रामलीला का मंचन किया जा रहा है। यह धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजन 5 जनवरी 2026 से प्रारंभ होकर निरंतर श्रद्धा और उत्साह के साथ चल रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में ग्रामीणजन एवं श्रद्धालु उपस्थित हो रहे हैं। रामलीला मंचन का संचालन महंत रामजी सरकार के सान्निध्य में तथा संचालक गोरेलाल के कुशल निर्देशन में किया जा रहा है। रामलीला के चैथे दिवस भगवान श्रीराम की लीलाओं का भावपूर्ण मंचन किया गया, जिसमें ताड़का वध के साथ-साथ बाली एवं सुबाहु वध के प्रसंगों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। कलाकारों के जीवंत अभिनय, संवादों और मंच सज्जा ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इन प्रसंगों के माध्यम से अधर्म, अत्याचार और अहंकार के अंत तथा धर्म, सत्य और न्याय की विजय का संदेश दिया गया। ढोल-नगाड़ों और पारंपरिक वाद्य यंत्रों की मधुर ध्वनि से संपूर्ण वातावरण भक्तिमय बना रहा। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि, गणमान्य नागरिक, महिला मंडल, युवा वर्ग सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे। आयोजकों ने बताया कि आगामी दिनों में राम जन्म, सीता स्वयंवर, वनवास, केवट संवाद सहित रामायण के अन्य प्रमुख प्रसंगों का मंचन किया जाएगा। यह रामलीला मंचन ग्रामीण अंचल में सांस्कृतिक परंपराओं के संरक्षण, सामाजिक समरसता एवं धार्मिक चेतना को मजबूत करने का सराहनीय प्रयास है।

स्व सहायता समूह की महिलाओं को मिला पशुपालन प्रशिक्षण

औबेदुल्लागंज। मध्य प्रदेश डे-राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन अंतर्गत विकासखंड औबेदुल्लागंज के ब्लॉक कार्यालय स्थित सीटीसी में स्व सहायता समूह की महिलाओं के लिए उन्नत पशुपालन एवं मॉडल सीएलएफ की उपसमितियों का प्रशिक्षण आयोजित किया गया। इसमें विकासखंड औबेदुल्लागंज एवं बाड़ी की स्व सहायता समूहों की महिलाओं ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान हायक विकासखंड प्रबंधक एवं मास्टर ट्रेनर जया व्यास ने मॉडल सीएलएफ की विभिन्न उपसमितियों की भूमिका, कार्यप्रणाली एवं उनके महत्व की जानकारी दी। वहीं जिला कार्यालय से आईं डॉ. मारया खान ने महिलाओं को उन्नत पशुपालन की आधुनिक तकनीकों, पशु स्वास्थ्य देखभाल, पोषण एवं आयवर्धन के उपायों पर विस्तार से प्रशिक्षण दिया। कार्यक्रम में विकासखंड प्रबंधक जितेंद्र चतुर्वेदी, सहायक विकासखंड प्रबंधक सुनील कुमार जेठे, निधि चौहान, संजय नामदेव सहित आजीविका मिशन का अन्य स्टाफ उपस्थित रहा। प्रशिक्षण का उद्देश्य महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़कर उनकी आय बढ़ाना एवं उन्हें आत्मनिर्भर बनाना रहा।

सागर-जबलपुर स्टेट हाईवे पर तेंदूखेड़ा नगर में हुआ हादसा

मवेशियों को बचाने में तेज रफ्तार ट्राला नाले में पलटा, दो बाइक, कार क्षतिग्रस्त

रायपुर से पंजाब जा रहा था ट्राला, एक मवेशी की मौत एक घायल

तेंदूखेड़ा। दोपहर मेट्रो

नगर में उस समय हड़कंप मच गया जब एक तेज रफ्तार ट्राला अनियंत्रित होकर नाले में पलट गया। हादसे में एक मवेशी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक बछिया को घायल अवस्था में गौशाला भेजा गया है, जहां पर उसका इलाज चल रहा है। इस हादसे में दो कार और दो बाइक क्षतिग्रस्त हो गईं। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई, जिसके बाद पुलिस ने पहुंचकर स्थिति को संभाला।

जानकारी के अनुसार ट्राला रायपुर से लोहा लेकर पंजाब जा रहा था। सागर-जबलपुर स्टेट हाईवे पर तेंदूखेड़ा नगर के विद्यानगर में जैन मंदिर के पास सड़क पर अचानक मवेशी आ गए। इन्हें बचाने के प्रयास में कंटेनर अनियंत्रित होकर सड़क किनारे पलट गया। हादसे में गोविंद ठाकुर और रतन जैन की कार क्षतिग्रस्त हो गई तथा दो मोटरसाइकिलें चकनाचूर हो गईं। सड़क पर खड़े दो मवेशियों की भी इस हादसे के शिकार हुए हैं।

ट्राला चालक करण वीर सिंह ने बताया कि वह रायपुर से पंजाब जा रहा था, लेकिन तेंदूखेड़ा में सड़क पर मवेशियों के अचानक सामने आने के कारण ट्राला अनियंत्रित हो गया और बचाने में अन्य वाहनों की चपेट में लेते हुए ट्राला नाले में जाकर पलट गया घटना की सूचना मिलते ही तेंदूखेड़ा थाना प्रभारी रविंद्र बागरी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और चालकों को थाने भेजा गया व भीड़ को नियंत्रित किया।

ट्राला को हटाने के लिए क्रेन की मदद ली

नगर के लोगों के अनुसार नगर के अंदर कहीं भी स्पीड ब्रेकर नहीं बने हैं, जिसके कारण ऐसी घटनाएं अक्सर होती रहती हैं गनीमत रही कि यह हादसा किसी बड़े रिहायशी इलाके में नहीं हुआ, अन्यथा बड़ी जनहानि हो सकती थी साथ ही हाईस्कूल से बम्हौरी तक शहर के अंदर बड़े वाहन के चालक वाहनों को रफ्तार से चलाते हैं जिसके कारण हादसों का डर बना रहता है। वहीं ट्राला चालक को मामूली चोटें आई हैं, जबकि अन्य किसी व्यक्ति को कोई गंभीर चोट नहीं लगी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पावर कंपनी ने जमीन ली किसान को नहीं मिला मुआवजा

अनूपपुर। दोपहर मेट्रो

जिले के ग्राम रक्सा में प्रस्तावित पावर परियोजना को लेकर किसानों में भारी नाराजगी देखी जा रही है। किसानों का आरोप है कि पावर कंपनी ने उनकी जमीन तो ले ली, लेकिन अब तक उचित मुआवजा नहीं दिया गया है। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो किसान अपनी जमीन पर दोबारा खेती शुरू करने को मजबूर होंगे।

सुनवाई के दौरान ग्राम रक्सा निवासी किसान रामदीन सिंह गोंड ने मंच से अपनी पीड़ा रखते हुए कहा कि कंपनी ने करीब सात साल पहले उनकी जमीन ले ली थी, लेकिन आज तक मुआवजा नहीं मिला। उन्होंने बताया कि जमीन अधिग्रहण के बाद से वे बेरोजगारी और आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। सुनवाई मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, शहडोल की देखरेख में आयोजित की गई थी, जहां किसानों ने मुआवजे का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। किसानों ने स्पष्ट कहा कि यदि शीघ्र मुआवजा नहीं मिला और उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो वे अपनी जमीन पर खेती शुरू कर देंगे, चाहे कंपनी को कोई भी आपत्ति हो। अधिकारियों ने किसानों को आश्वासन दिया कि उनकी शिकायतों पर गंभीरता से विचार किया जाएगा और संबंधित विभागों व कंपनी प्रबंधन से चर्चा कर समाधान निकाला जाएगा। कंपनी अधिकारियों ने भी दावा किया कि मुआवजे की प्रक्रिया प्रचलित नियमों के अनुसार की गई है, लेकिन किसानों ने इस दावे को गलत बताया। जानकारी के अनुसार, मेसर्स न्यू इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा पावर प्लांट लगाने की प्रक्रिया वर्ष 2006 से शुरू की गई थी, जिसमें करीब 776.78 हेक्टेयर भूमि अधिग्रहित की गई। इसके बावजूद कई किसानों का कहना है कि उन्हें न तो पूरा मुआवजा मिला और न ही रोजगार के वादे पूरे किए गए।

नर्मदा तट पर गंदगी, यात्रियों से स्वच्छता बनाए रखने की अपील

अमरकंटक। पवित्र नर्मदा नदी के उद्गम क्षेत्र अमरकंटक के कपिलधारा घाट के आसपास यात्रियों द्वारा फैलायी जा रही गंदगी को लेकर स्थानीय लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। शुक्रवार को नर्मदा तट के कई स्थानों पर बच्चों के इस्तेमाल किए गए डायपर और मासिक धर्म से संबंधित अपशिष्ट (पैड) पड़े हुए पाए गए, जिससे न केवल धार्मिक भावनाएं आहत हुईं बल्कि पर्यावरण को भी नुकसान पहुंचा है। स्थानीय नागरिकों और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने बताया कि कपिलधारा क्षेत्र में रोज़ाना बड़ी संख्या में श्रद्धालु और पर्यटक पहुंचते हैं, लेकिन कुछ लोग स्वच्छता के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। नदी किनारे इस तरह का जैविक और प्लास्टिक अपशिष्ट छोड़ना गंभीर प्रदूषण का कारण बन रहा है। अमरकंटक के निवासियों ने यात्रियों से अपील की है कि वे नर्मदा मैया की पवित्रता का सम्मान करें और घाटों व जंगल क्षेत्र में गंदगी न फैलाएं। उन्होंने कहा कि ऐसे अपशिष्ट को निर्धारित कूड़ेदानों में डालना चाहिए या नगर पंचायत द्वारा उपलब्ध कराई गई स्वच्छता सुविधाओं का उपयोग करना चाहिए।

अपहरण और दुष्कर्म के 2 आरोपियों को किया गिरफ्तार

धार। दोपहर मेट्रो

पुलिस ने नाबालिग का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले पिता-पुत्र को गिरफ्तार कर नबालिग को गुजरात से दस्तयाब किया है। 14 दिसंबर को ग्राम बैडवालिया मालीफलिया की निवासी ने निसरपुर चौकी पर सूचना दी थी कि 1 दिसंबर को उसकी लड़की बिना बताए घर से कहीं चली गई है, निसरपुर पुलिस ने मामले में प्रकरण दर्ज कर विवचेना शुरु की थी। नाबालिग बालिका की गुमशुदगी का गंभीर मामला होने से कुक्षी थाना प्रभारी राजेश यादव के नेतृत्व में बालिका की तलाश के लिए निसरपुर चौकी प्रभारी उप निरीक्षक रवि वास्के के साथ टीम को लगाया गया था। इस बीच टीम को सूचना मिली कि नाबालिक अपहता गुजरात के जुनागढ़ में मजदूरी करते देखी गई है। सूचना पर तत्काल टीम नाबालिग के पिता को लेकर जुनागढ़ रवाना

हुई, लेकिन नाबालिग वहां नहीं मिली।

टीम ने सायबर सेल से मदद ली तो पता चला की अपहता जुनागढ़ सुबह-सुबह कही चली गयी है। मुखबिर द्वारा सुचना प्राप्त हुई कि नाबालिक गुजरात के गोण्डल जिले के एक गांव में है। टीम ने रवाना होकर गोण्डल अपहता के पिता को लेकर पहुची जहा से अपहता को साथ लेकर चौकी निसरपुर आई। नाबालिग के कथन महिला उपनिरीक्षक से कराने पर नाबालिग द्वारा आरोपी विक्रम पिता भुरिया उर्फ भुरू द्वारा अपने पिता भुरिया उर्फ भुरू के सहयोग से अपहरण कर बलत्कार करने के सम्बन्ध मे बताने पर कथनो के आधार पर व विवेचना मे आये साक्ष्यों के आधार पर विक्रम पिता भुरिया उर्फ भुरू वास्केल भुरिया उर्फ भुरू पिता मांगीलाल वास्केल निवासीगण ग्राम बैडवालिया को गिरफ्तार कर न्यायालय मे पेश किया गया।

उक्त कार्रवाई में कुक्षी थाना प्रभारी निरीक्षक राजेश यादव निसरपुर चौकी प्रभारी रवि वास्के, सायबर प्रभारी प्रशांत गुंजाल, सहायक उप निरीक्षक भुवान चौहान,थानसिंह जमरा, शंकरसिंह तोमर, प्रकाश, प्रशांतसिंह सायबर धार शुभम शर्मा, सुभाष चौहान, गौरव, थानसिंह बड़ोले, रविन्द्र, किशन का विशेष योगदान रहा है। उल्लेखनीय कार्य के लिए पुलिस अधीक्षक मयंक अवस्थी द्वारा टीम को पुरस्कृत करने की घोषणा की गई।

सीसीटीवी में कैद हुए 5 नकाबपोश बदमाश

प्रिंसिपल ऑफिस का ताला तोड़कर 80 हजार रुपए नकदी और सॉफ्टवेयर डोंगल ले उड़े चोर

धार। दोपहर मेट्रो

गंधवानी के होलीपुरा स्थित सेवन डे स्कूल में रात के समय अज्ञात बदमाशों ने धावा बोलकर हजारों की चोरी को अंजाम दिया। चोरों ने स्कूल के मुख्य गेट और कार्यालयों के ताले तोड़कर करीब 80 हजार रुपये नकद और महत्वपूर्ण सॉफ्टवेयर डोंगल पार कर दिए। पूरी वारदात स्कूल में लगे सीसीटीवी कैमरों में कैद हो गई है।

स्कूल के संचालक निलेश राठौड़ ने बताया कि स्कूल बंद कर वे घर चले गए थे। दूसरे दिन सुबह करीब 8 बजे जब पियून लक्ष्मी चौहान स्कूल पहुंचीं तो उसने प्राचार्य कक्ष और रिसेप्शन का ताला टूटा हुआ पाया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंचे संचालक ने जब जांच की तो कार्यालय की दराज में रखे 80 हजार नकद और रिसेप्शन कक्ष से स्वास्तिक

प्राइवेट लिमिटेड का सॉफ्टवेयर डोंगल गायब था।

स्कूल में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने पर पता चला कि रात करीब 1:48 बजे पांच अज्ञात नकाबपोश बदमाश कार्यालय में दाखिल हुए। वारदात को अंजाम देने के बाद रात करीब 2:25 बजे आरोपी स्कूल के पीछे वाले मैदान से भागते हुए नजर आए। घटना की सूचना मिलते ही गंधवानी पुलिस मौके पर पहुंची और मुआयना किया। थाना प्रभारी प्रदीप खन्ना ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर अज्ञात आरोपियों के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर लिया गया है।

प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बेचते हुए युवक गिरफ्तार, 12 गट्टे किए जब्त

धार। दोपहर मेट्रो

पीथमपुर में मकर संक्रांति से पूर्व पुलिस ने जानलेवा चाइनीज डोर बेचने वालों के खिलाफ शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। सेक्टर 01 पुलिस ने शनिवार को कार्रवाई करते हुए अवैध रूप से चाइनीज मांझा बेचते हुए एक युवक को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के पास से भारी मात्रा में प्रतिबंधित डोर बरामद की है।

पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि महिन्द्रा ब्रिज के पास एक युवक सफेद रंग की बोरी में प्रतिबंधित चाइनीज मांझा बेचने की फिराक में खड़ा है। नगर पुलिस अधीक्षक रवि सोनर एवं थाना प्रभारी ओ.पी. अहिर के नेतृत्व में पुलिस टीम ने तत्काल मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर युवक ने भागने का प्रयास किया, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पकड़े गए युवक की पहचान नमन पिता बंटी चौहान

निवासी तीन बत्ती चौराहा पीथमपुर के रूप में हुई है। तलाशी लेने पर उसकी बोरी से 12 गट्टे अवैध चाइनीज मांझा बरामद हुए, जिनकी कुल कीमत लगभग 8,400 रुपये आंकी गई है।

इस कार्रवाई में थाना प्रभारी निरीक्षक ओ.पी. अहिर, सहायक उप निरीक्षक के.के. परिहार, ओमेन्द्र सिंह भाटी, प्रधान आरक्षक प्रदीप पाटील, विजय, अनिल और आरक्षक विक्की कुशवाह की मुख्य भूमिका रही।

मेट्रो एंकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खुरई विधानसभा क्षेत्र को 1000 करोड़ से अधिक की सौगातें दीं

खुरई वालों ने फूलों से होली दीवाली मना दी, स्वागत देख दंग रह गया: सीएम

सागर। दोपहर मेट्रो

जिले की खुरई विधानसभा में विकास कार्यों के लिए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सरकार का खजाना खोल दिया. उन्होंने विधानसभा क्षेत्र के लिए लगभग 1000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की घोषणाएं की। मुख्यमंत्री खुरई में रोड शो के बाद आम सभा को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने खुरई विधानसभा क्षेत्र की जनता द्वारा किए गए अभूतपूर्व स्वागत से अभिभूत होकर कहा कि खुरई वालों ने फूलों से होली और दीवाली दोनों मना दी। ऐसा स्वागत हुआ है कि मैं दंग रह गया हूं, मन कर रहा है कि सब कुछ भूलकर यहीं रह जाऊं।

आमसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने खुरई विधानसभा क्षेत्र के लिए लगभग 1000 करोड़ रुपये से अधिक के विकास कार्यों की घोषणाएं कीं। खुरई विधानसभा क्षेत्र के लिए की गई प्रमुख घोषणाओं में एमपीआईडीसी द्वारा राहतगढ़-खुरई-खिमलासा 4 लेन मार्ग के सुदृढ़ीकरण कार्य हेतु 500 करोड़ रुपये की स्वीकृति, 429 करोड़ रुपये की लागत से बीना नदी परियोजना के विलंबित कार्यों

को तत्काल पूर्ण कराने की घोषणा, उल्दन बांध परियोजना को वर्ष 2026 तक पूर्ण करने के लिए आवश्यक बजट उपलब्ध कराने का आश्वासन, खुरई कृषि महाविद्यालय के भवन एवं छात्रावास निर्माण के लिए 25 करोड़ रुपये की तत्काल स्वीकृति तथा आवश्यकतानुसार आगे बजट प्रावधान, कृषि यंत्र निर्माण गतिविधियों को देखते हुए खुरई में नए आईटीआई खोलने की घोषणा, खुरई में नेचुरल एथलेटिक्स ट्रैक निर्माण, मालथौन में मल्टी परपज स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स निर्माण तथा रजवांस में 132 केबी विद्युत उपकेंद्र स्थापित करने की घोषणा शामिल है। स्पष्ट राशि वाली घोषणाओं का कुल योग 954 करोड़ रुपये से अधिक है, जबकि अन्य योजनाओं के लिएआवश्यकतानुसार अतिरिक्त बजट उपलब्ध कराने का आश्वासन भी मुख्यमंत्री ने दिया। इसके साथ ही मुख्यमंत्री ने 312 करोड़ रुपये के विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन भी किया, जिनमें तीन सांदीपनी विद्यालय, एसडीएम कार्यालय, तहसील भवन, अनेक सड़क निर्माण कार्य एवं अन्य अधोसंरचनात्मक कार्य शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बुंदेलखंड वीरों की धरती, महावीरों की धरती और महाराजा छत्रसाल की धरती है। बुंदेलखंड की धरती का अलग ही आनंद है। कृष्णाम लगे न ठंड जै हो बुंदेलखंड .. जैसा आनंद यहां मिलता है। उन्होंने कहा कि ईश्वर की विशेष कृपा से बुंदेलखंड को अनेक सौगातें मिली हैं, खजुराहो के मंदिर स्थापत्य कला के अद्भुत उदाहरण हैं। बुंदेलखंड में कैबिनेट की बैठक कर क्षेत्र के विकास को गति दी गई है।

खाद्य, नागरिक आपूर्ति और उपभोक्ता संरक्षण मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में बुंदेलखंड क्षेत्र तेजी से विकास की दिशा में बढ़ रहा है। बुंदेलखंड अब शिक्षा के क्षेत्र में भी लगातार प्रगति कर रहा है। रीजियनल इंडस्ट्रियल कॉन्क्लेव और औद्योगिक क्रांति से यह क्षेत्र समृद्ध हो रहा है। राजपूत ने यह भी बताया कि अप्रैल महीने में नौरादेही में चीते लाए जाएंगे।

भारत की दिग्गज बॉक्सर मैरी कॉम ने अपने तलाक पर तोड़ी चुप्पी, कहा-

मेरे चरित्र पर उठाए गए सवाल, अंदर से टूट चुकी थी मैं

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत की दिग्गज बॉक्सर मैरी कॉम ने अपने जीवन के उस दौर के बारे में खुलकर बात की है, जिसे वह अपनी जिंदगी का सबसे बुरा हिस्सा बताती हैं। इस दौर में उन्हें दर्दनाक तलाक, आर्थिक तंगी और लगातार सार्वजनिक बदनामी का सामना करना पड़ा। मैरी कॉम ने कहा कि उन्हें अब बोलना ज़रूरी लगा क्योंकि उनकी चुप्पी को गलत तरीके से समझा जा रहा था।

मैरी कॉम ने कहा, मैंने जो कुछ भी हासिल किया, उसका क्या मतलब है? उन्होंने बताया कि तमाम वैश्विक उपलब्धियों से भरे करियर के बावजूद यह दौर उन्हें अंदर से तोड़ गया। छह बार की वर्ल्ड चैंपियन और ओलंपिक कांस्य पदक विजेता मैरी कॉम ने बताया कि यह संकट 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले लगी चोट के बाद शुरू हुआ। वह कई महीनों तक बिस्तर पर रहीं और बाद में उन्हें वॉकर का सहारा लेना पड़ा। इसी दौरान उन्हें उन सच्चाइयों का सामना करना पड़ा, जिन्हें वह लंबे समय से नजरअंदाज करती आ रही थीं।

उन्होंने कहा, जब तक मैं प्रतिस्पर्धा कर रही थी और अपनी फाइनेंस में मेरी बहुत कम भागीदारी थी, तब तक सब ठीक था। लेकिन 2022 कॉमनवेल्थ गेम्स से पहले चोट लगने के बाद मुझे एहसास हुआ कि मैं एक झूठी जिंदगी जी रही थी।

तलाक और भरोसे का टूटना- मैरी कॉम ने बताया कि इसी दौर में उनका अपने पति करुंग ओंखोलर पर से भरोसा उठ गया, जिनके साथ उनकी शादी को दो दशक से

अधिक हो चुके थे। दोनों दो साल से ज्यादा समय पहले अलग हो गए थे और 2023 में उनका तलाक हो गया।

उन्होंने कहा, मैं नहीं चाहती थी कि यह पूरी दुनिया के लिए तमाशा बने, इसलिए मैंने कई बार आपसी तौर पर सुलझाने की कोशिश के बाद तलाक का फैसला लिया।उन्होंने बताया कि दोनों परिवारों को इस फैसले की जानकारी थी और उन्होंने इसे समझा भी, लेकिन हालात तब बिगड़ गए जब उनकी निजी जिंदगी से जुड़ी बातें मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पर आने लगीं।

अपनी जमीन से कब्जा खोया- मैरी कॉम ने आरोप लगाया कि उनके साथ करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी हुई और उन्होंने अपनी ही कमाई से खरीदी गई ज़मीन का कब्ज़ा खो दिया। उनका दावा है कि उनकी संपत्ति और मणिपुर की ज़मीन पर लोन लिया गया, जिसे बाद में वसूली के लिए स्थानीय समूहों ने जब्त कर लिया। हालांकि, इसी रिपोर्ट में उनके पति करुंग ओंखोलर ने किसी भी तरह की गलत हरकत से इनकार किया है।

बच्चों के लिए खुद को संभालना

मैरी कॉम ने कहा कि इस पूरे घटनाक्रम में सबसे दर्दनाक बात यह थी कि सार्वजनिक तौर पर उनके चरित्र पर सवाल उठाए गए। उन्होंने कहा, मेरी उपलब्धियों का क्या मतलब रह गया? मैं अंदर से टूट चुकी हूं, लेकिन मुझे शोक मनाने की भी इजाज़त नहीं है। मैरी कॉम ने साफ किया कि वह किसी तरह की पुलिस कार्रवाई नहीं चाहतीं और सिर्फ इतना चाहती हैं कि बदनामी का सिलसिला बंद हो। वह अब एंडोर्समेंट्स और सार्वजनिक कार्यक्रमों के ज़रिये अपनी आर्थिक स्थिति को दोबारा खड़ा कर रही हैं और भारतीय ओलंपिक संघ की एथलीट्स कमीशन में अपनी भूमिका भी निभा रही हैं।

2026 में भारत का पहला वनडे आज न्यूज़ीलैंड से

कोहली 28 हजार रन के करीब, क्रिस गेल का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं रोहित शर्मा

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच पहला वनडे आज वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में खेला जाएगा। मैच दोपहर से खेला जाएगा भारत में दोनों टीमों के बीच 7 वनडे सीरीज खेली गईं, सभी होम टीम ने ही जीतीं। भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच अब तक 120 वनडे खेले गए। 62 में भारत और 50 मे न्यूज़ीलैंड को जीत मिली। 7 बेनतीजा रहे, वहीं 2014 में एक मैच टाई भी रहा। भारत में दोनों ने 40 वनडे खेले, 31 में टीम इंडिया और महज 8 में कीवी टीम ने बाजी मारी। एक मुकाबला बेनतीजा भी रहा।

गेल का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं रोहित पहले वनडे में भारत के रोहित शर्मा वेस्टइंडीज के क्रिस गेल का वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। रोहित के नाम ओपनिंग करते हुए वनडे में 327 छक्के हैं। वहीं गेल ने 328 छक्के लगाए हैं, रोहित 2 सिक्स लगाकर इस रिकॉर्ड को अपने नाम कर सकते हैं। विराट कोहली भी 28 हजार इंटरनेशनल रन के करीब हैं। उनके नाम 27,975 रन हैं। वे न्यूज़ीलैंड के खिलाफ 42 रन बनाते ही इंटरनेशनल क्रिकेट के दूसरे टॉप स्कोरर भी बन जाएंगे। फिलहाल श्रीलंका के कुमार संगकारा 28016 रन बनाकर दूसरे नंबर पर हैं। सचिन 34,357 रन के साथ टॉप पर हैं।

प्लेइंग इलेवन पर फैंस की रहेंगी खास निगाहें

इस मुकाबले में भारतीय टीम की प्लेइंग-11 पर भी फैन्स की निगाहें रहने वाली हैं। विकेटकीपर बैटर ऋषभ पंत को एक बार फिर प्लेइंग-11 से बाहर रहना पड़ सकता है। वैसे भी पंत को शनिवार को प्रैक्टिस सेशन के दौरान चोट लग गई। पंत आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 और साउथ अफ्रीका के खिलाफ हालिया वनडे सीरीज में भारतीय टीम का हिस्सा थे, लेकिन वो दोनों टूर्नामेंट्स में बेंच पर ही बैठे रहे। केएल राहुल विकेटकीपर बल्लेबाज के तौर पर शानदार प्रदर्शन कर रहे है, इसी चलते पंत की एकादश में जगह नहीं बन पा रही है। इस मुकाबले में सलामी बल्लेबाड यशस्वी जायसवाल का प्लेइंग-11 से बाहर रहना तय माना जा रहा है। कप्तान शुभमन गिल की वापसी के बाद ओपनिंग स्लॉट फुल हो चुका है। वहीं प्रसिद्ध कृष्णा और नीतीश कुमार रेड्डी को भी मौके के लिए इंतजार करना पड़ सकता है। नीतीश की जगह प्लेइंग-11 में तभी बनेगी, जब टीम मैनेजमेंट दो स्पेशलिस्ट तेज गेंदबाजों को ही मैच में उतारे।

मिचेल-ब्रेसवेल से न्यूजीलैं को उम्मीदें

न्यूज़ीलैंड की कप्तानी माइकल ब्रेसवेल करेंगे। रेगुलर कप्तान मिचेल सैंटनर ग्रोइन इंजरी के कारण वनडे सीरीज से बाहर हैं, जबकि टॉम लैथम भी नहीं खेल रहे। पूर्व कप्तान केन विलियमसन, रचिन रवींद्र और तेज गेंदबाज जैकब डफी को आराम दिया गया है। चोट से वापसी कर रहे मैट हेनरी टी-20 वर्ल्ड कप को ध्यान में रखते हुए टी-20 सीरीज ही खेलेंगे। पिछले साल वनडे क्रिकेट में न्यूज़ीलैंड के लिए डेरिल मिचेल और माइकल ब्रेसवेल सबसे प्रभावशाली खिलाड़ियों में शामिल रहे। डेरिल मिचेल ने 17 मैचों में 761 रन बनाए, जिनमें एक शतक और छह अर्धशतक शामिल रहे। बॉलिंग में माइकल ब्रेसवेल ने 18 मुकाबलों में 17 विकेट झटके।

मौसम साफ रहेगा

मैच के दिन वडोदरा में बारिश की कोई आशंका नहीं है। दिन में धूप निकलेगी, जिससे मैच में किसी भी तरह की परेशानी नहीं होगी। टेम्परेचर 14 से 29 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा।

दोनों टीमों की पॉसिबल प्लेइंग-11

भारत: शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर, केएल राहुल (विकेटकीपर), रवींद्र जडेजा, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, मोहम्मद सिराज, अर्शदीप सिंह।

न्यूज़ीलैंड: माइकल ब्रेसवेल (कप्तान), डेवॉन कॉन्वे, विल यंग, हेनरी निकोल्स, डेरिल मिचेल, ग्लेन फिलिप्स, मिच हे (विकेटकीपर), जैडन लेनोक्स, जैक फॉल्क्स, काइल जैमीसन, माइकल रे।

वनडे का रोमांच रो-को..के इर्दगिर्द ही

क्रिकेट के मैदान में भारत-बांग्लादेश के राजनीतिक घटनाक्रम और आईसीसी के कड़क फैसलों के बीच टीम इंडिया न्यूज़ीलैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से 2026 की शुरुआत करेगी ।आज बड़ौदा में दोनों टीमों के बीच वनडे सीरीज का आगाज आज हो रहा है ।भारत और न्यूज़ीलैंड के बीच तीन मैचों की यह सीरीज 11 जनवरी से 18 जनवरी तक खेली जाएगी ।भले ही न्यूज़ीलैंड टीम ने टीम इंडिया के खिलाफ़ होने वाली आगामी टी20 सीरीज ओर वर्ल्ड कप के मद्देनजर अपने प्रमुख खिलाड़ियों को आराम देकर युवाओं को मौका दिया हो,लेकिन टीम इंडिया इस सीरीज में अपनी पूरी दमखम के साथ मैदान में नजर आयेगी ।सही मायने में ऑल फॉर्मेट के नजरिये से बुमराह मात्र ही वह खिलाड़ी कहे जा सकते हैं जो इस सीरीज की टीम इंडिया में शामिल नहीं हैं ।ऐसे में न्यूज़ीलैंड के खिलाफ सीमित ओवर की यह सीरीज टीम इंडिया के नजरिये से काफी अहम ओर रोमांचक रहेगी। दरअसल टीम इंडिया की इस टीम में कप्तान गिल ओर उपकप्तान श्रेयस अय्यर की वापसी हो रही है ।देखना दिलचस्प होगा कि टी20 विश्व कप टीम से बाहर किए जाने के बाद कप्तान शुभमन गिल अपने बल्ले से कैसी प्रतिक्रिया देते हैं ।उनकी फॉर्म पहले से ही चिंता का विषय रही है ।गौरतलब है पिछले साल के अंत में साउथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में वह चोट के कारण बाहर रहे थे ।अब उनके पास इस सीरीज के जरिये फॉर्म में वापसी करने का मौका होगा ।वहीं उपकप्तान श्रेयस के वनडे वर्ल्ड कप में दमदार खेल के बाद उनकी वापसी के अंदाज पर भी सभी की पैनी निगाहें रहेगी ।भले ही अगले महीने होने वाले टी20 विश्व कप के कारण वनडे सीरीज की अहमियत थोड़ी कम है, लेकिन अगले सात दिनों में होने वाले तीन वनडे मैचों में क्रिकेट का रोमांच रोहित और कोहली के इर्दगिर्द ही रहेगा,क्योंकि दोनों ही दिग्गज के 2027 वनडे वर्ल्ड कप की मौजूदगी आने वाली सभी वनडे सीरीजों का सबसे बड़ा सवाल रहेगा ।यह साल भारत के लिए काफी व्यस्त है ।एक ओर जहां घरेलू मैदान पर टी20 वर्ल्ड कप खेलना है ।वहीं साउथ अफ्रीका में होने 2027 वनडे वर्ल्ड कप की तैयारियों को परखने के लिए पूरे साल में 18 वनडे भी खेलना है,जिसमें 15 मैच घरेलू जमीन पर, वहीं सिर्फ 3 मैच विदेशी सरजमीं(इंग्लैंड) पर खेलेगी ।इसके अलावा खिलाड़ियों के लिए 2 महीने का आईपीएल भी रहेगा ।ऐसे में यह सीरीज भले ही कप्तान ओर उपकप्तान के लिहाज से अहम कही जा सकती है क्योंकि दोनों की वापसी के अंदाज पर तमाम जानकारों की निगाहें टिकी हुई है,लेकिन मेरे नजरिये में पूरे साल होने वाले सभी वनडे मैचों की सीरीज में बोलबाला रो...को..का ही रहने वाला है ।वजह एकदम साफ है कि एक तो सभी के जहन में इन दिग्गजों का 2027 वर्ल्ड कप तक के सफर को लेकर सवालिया निशान रहता है,जबकि दूसरा यह कि जब भी ये दोनों दिग्गज मैदान में उतरते है और कोई भी धमाकेदार पारी खेलते हैं तो वह एक नया कीर्तिमान भी अपने नाम दर्ज कर देते हैं ।भले ही क्रिकेट ने जानकारों की कसौटी पर कोई भी रहे पर मेरे नजरिये में टीम इंडिया के पूरे साल होने वाले आगामी 18 वनडे मैच(6 सीरीज) इन्ही दो दिग्गजों के नाम रहने वाली हैं ।यह तो वक्त ही बतायेगा कि पूरे साल इनका सफर कैसा और कितना रहता है। दरअसल आज भी सभी के दिमाग मे यही सवाल है कि ये दिग्गज 2027 वर्ल्ड कप खेलेंगे या नहीं। जो भी हो,लेकिन एक बात तय है कि हाल फिलहाल में एक बार फिर रोहित और कोहली की जोड़ी ही दर्शकों का भरपूर मनोरंजन करेगी।

आलोक गोस्वामी
खेल विश्लेषक

मनोरंजन **बॉलीवुड का कोना**

कपिल शर्मा की आवाज़ में 'रांझे नू हीर' अनप्लग्ड

किस किसको प्यार करूं 2 में इमोशन्स का नया रंग

दिल को छू लेने वाले म्यूजिक एल्बम को जबरदस्त प्यार मिलने और दर्शकों से मिल रही शानदार प्रतिक्रिया के बाद, किस किसको प्यार करूं 2 के मेकर्स ने एल्बम का पांचवां और आख़िरी गाना रिलीज़ कर दिया है। इस बार तो खास सरप्राइज़ है, रोमांटिक फेवरेट 'रांझे नू हीर' का अनप्लग्ड वर्ज़न, जिसे खुद कपिल शर्मा ने अपनी आवाज़ दी है। इस नए अंदाज़ ने पहले से पसंद किए जा रहे गाने में इमोशन्स की एक और गहराई जोड़ दी है। फिल्म का म्यूज़िक एल्बम इसकी सबसे मज़बूत ताकत बनकर उभरा है, जहां हर गाना सीधे दिल से कनेक्ट करता दिखा है और श्रोताओं की प्लेलिस्ट का हिस्सा बन चुका है। इसी म्यूज़िकल सक्सेस को आगे बढ़ाते हुए, अनप्लग्ड वर्ज़न गाने को और भी निजी, सादा और दिल से निकला हुआ एहसास

देता है, जो एल्बम के फिनाले को खास बना देता है। 'रांझे नू हीर' को पहले जुबिन नौटियाल ने गाया था, जिसमें संगीत दिया है ष्ठद्बद्दद्ध ने और बोल लिखे हैं लवराज ने। यह गाना एक टाइमलेस, पुराने ज़माने के इश्क़ की खूबसूरत तस्वीर पेश करता है। अनप्लग्ड वर्ज़न उस जज़्बात को और खुलकर सामने लाता है और एल्बम को एक सोलफुल क्लोज़िंग नोट देता है।

अनुकल्प गोस्वामी ने संभाली लेखन की जिम्मेदारी

अनुकल्प गोस्वामी के निर्देशन में बनी यह फिल्म रतन जैन, गणेश जैन और अब्बास मस्तान द्वारा वीनस वर्ल्डवाइड एंटरटेनमेंट के बैनर तले, अब्बास मस्तान फिल्म प्रोडक्शन के सहयोग से बनाई गई है। कपिल शर्मा के साथ फिल्म में मंजोत सिंह, हीरा वारिना, त्रिधा चौधरी, पारुल गुलाटी, आयशा खान, अखिलेंद्र मिश्रा, विपिन शर्मा, सुशांत सिंह, जैमी लीवर, स्मिता जयकर, सुप्रिया शुक्ला और दिवंगत असरानी जैसे दमदार कलाकार नजर आते हैं। लेखन और निर्देशन दोनों की जिम्मेदारी संभाल रहे अनुकल्प गोस्वामी की यह फिल्म अपने म्यूज़िक, इमोशन्स और मजबूत स्टार कास्ट के दम पर दर्शकों से लगातार जुड़ती जा रही है।

टीवी के ब्लॉकबस्टर शो %तारक मेहता का उल्टा चश्मा% ने स्टार्स को खास पहचान दी है। उन्हीं में से एक एक्टर शरद संकला भी हैं। अब्दुल के किरदार ने उन्होंने लोगों क दिल में खास जगह बनाई है। उन्हें फैंस का बेशुमार प्यार मिलता है। मगर कम लोग ही जानते हैं कि शरद संकला ने अपनी जिंदगी में काफी स्ट्रगल किया है।

तारक मेहता का उल्टा चश्मा के एक्टर का छलका दर्द

7 साल तक नहीं था काम, तंगी में गुजारे दिन

बातचीत में शरद संकला ने बताया कि 7 साल तक उनके पास कोई काम नहीं था। उन्होंने मुश्किल दिन देखे हैं। एक्टर ने शो के प्रोड्यूसर असित कुमार मोदी के बारे में भी कई बातें साझा की। अपने स्ट्रगल पर बात करते हुए शरद संकला बोले- साल 2001 से 2007 तक मैंने काफी कम काम किया है। हर कोई जिंदगी में मुश्किल वक्त का सामना करता है। उस वक्त प्रोडक्शन हाउस ज्यादातर अपनी टीम के साथ ही काम करते थे। इसलिए मुझे ज्यादा मौके नहीं मिले। बाद में मुझे पता चला था कि असित कुमार मोदी बड़े स्केल पर एक शो बनाने की प्लानिंग कर रहे हैं। मेरे एक करीबी कॉलेज फ्रेंड ने असित भाई को मेरा नाम सजेस्ट किया था। उस टाइम कोई ऑडिशन नहीं हुआ था। असित भाई ने डायरेक्टली मुझे बुलाकर शो का कॉन्सेप्ट समझाया था। उन्होंने मुझे बताया था कि शो में अलग-अलग कम्युनिटी के किरदार होंगे, लेकिन कोई मुस्लिम किरदार नहीं था। एक्टर ने आगे कहा- ऑरिजनल स्टोरी में पान की दुकान थी, क्योंकि शो गुजरात से कनेक्टेड था, तो उन्होंने पान की दुकान के मालिक का किरदार मुझे निभाने को कहा, जो बहुत ही मासूम होता है।

भारत का आरईआईटी मार्केट कैप 2030 तक 25 अरब डॉलर पहुंचने की उम्मीद

मेट्रो बाजार

नई दिल्ली। भारत का रिटल एस्टेट इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (आरईआईटी) मार्केट आने वाले समय में तेजी से बढ़ेगा। इसकी वजह देश के लिस्टेड रियल एस्टेट वैल्यू में आरईआईटी की हिस्सेदारी मात्र 19 प्रतिशत होना है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई। रियल एस्टेट सेवा फर्म वेस्टियन की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि आरईआईटी का मार्केटकैप करीब 38.88 प्रतिशत बढ़कर 2030 तक 25 अरब डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है, जो कि 2025 में करीब 18 अरब डॉलर था। इस दौरान आरईआईटी आधारित एसेट्स की वैल्यू बढ़कर 16 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने की उम्मीद है, जो कि फिलहाल 8.2 लाख करोड़ रुपए है। रिपोर्ट में बताया गया कि वैश्विक स्तर पर लिस्टेड रियल एस्टेट वैल्यू में आरईआईटी की हिस्सेदारी 57 प्रतिशत है, जो कि भारत में यह केवल 19 प्रतिशत है। यह दिखाता है कि भारत के बाजार में विकास की काफी संभावनाएं और जगह है। रिपोर्ट में कहा गया, ÷रिटेल और अल्टरनेटिव एसेट क्लास के विस्तार के साथ, भारत दुनिया भर में सबसे डायनामिक आरईआईटी बाजारों में से एक के रूप में उभरने के लिए अच्छी स्थिति में है।÷ इसमें कहा गया है कि इंडस्ट्रियल और वेयरहाउसिंग आरईआईटी और इनविट में मौके 2030 तक 0.7 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 1.3 लाख करोड़ रुपए तक पहुंचने का अनुमान है।

सेबी ने ट्रेडिंग नियमों को आसान बनाने के लिए दिया नया प्रस्ताव, अनुपालन का बोझ कम होगा

मुंबई । बाजार नियामक भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ट्रेडिंग से जुड़े नियमों का आसान बनाने के लिए नया प्रस्ताव दिया है। इसका उद्देश्य स्टॉक एक्सचेंज पर ट्रेडिंग से जुड़े फ्रेमवर्क में बदलाव लाना, नियमों को आसान बनाना और बाजार के भागीदारों के लिए अनुपालन का बोझ कम करना है। नए प्रस्ताव के जरिए सेबी की कोशिश स्टॉक एक्सचेंज और कमोडिटी एक्सचेंज दोनों में व्यापार में आसानी को बढ़ावा देना है।

सेबी की ओर से जारी किए गए कंसल्टेशन पेपर में ट्रेडिंग, प्राइस बैंड, सर्किट ब्रेकर, बल्क और ब्लॉक डील डिस्क्लोजर, कॉल ऑक्शन और लिक्विडिटी बढ़ाने की स्कीम पर दोहराव लाने वाले प्रावधानों को विलय करने की सिफारिश की गई है। आधिकारिक बयान में कहा गया कि कुछ 54 नियमों में बदलाव की सिफारिश की गई है। इसमें इक्विटी और कमोडिटी सेगमेंट दोनों को एकल ढांचे में कवर करने वाले नियम शामिल हैं। इस विलय में मार्जिन ट्रेडिंग फैसिलिटी (एमटीएफ), विशिष्ट क्लाइंट कोड, पैन की आवश्यकताएं, ट्रेडिंग घंटे और दैनिक मूल्य सीमा से संबंधित प्रावधान भी शामिल हैं।

बयान में आगे कहा गया कि बल्क डील और ब्लॉक डील से संबंधित डिस्क्लोजर प्रावधानों को आपस में मिलाया जा सकता है। बल्क डील डिस्क्लोजर पर और स्पष्टता प्रदान की जा सकती है। इसका मतलब है कि सदस्य एक्सचेंजों के बीच पूरी होने वाली बल्क डील की जानकारी ग्राहक स्तर पर एक्सचेंजों द्वारा प्रसारित की जाएगी। नियामक ने कहा कि क्लियरिंग कॉर्पोरेशंस पर लगने वाले प्रावधानों के लिए एक अलग से मास्टर सर्कुलर लाया जाएगा, जिससे रेगुलेटरी ओवललैप को समाप्त किया जा सके।

ट्रंप ने प्रदर्शनकारियों से कहा- 'यूएस मदद के लिए तैयार'

ईरान पर हमला करने की योजना बना रहा अमेरिका

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी सरकार ईरान पर हमला करने की योजना बना रही है। अमेरिकी अखबार द वॉल स्ट्रीट जर्नल में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारी इस बात पर चर्चा कर रहे हैं कि ईरान के खिलाफ राष्ट्रपति ट्रम्प ने जो धमकियां दी हैं, उन्हें कैसे लागू किया जाए। इसके लिए अमेरिकी अधिकारी यह योजना बना रहे हैं कि ईरान में किन जगहों को निशाना बनाया जा सकता है। इसके तहत ईरान के कई सैन्य ठिकानों पर हवाई हमले किए जा सकते हैं। लेकिन अभी इन बातों को लेकर कोई आम सहमति नहीं बनी है। अमेरिकी अखबार में छपी रिपोर्ट में यह भी बताया है कि अमेरिका ने इसके लिए अभी तक कोई सैन्य हथियार या जवान तैनात नहीं किए हैं। अमेरिका के योजना बनाने का मतलब ये बिल्कुल नहीं है कि वो हमला करेगा।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप लगातार ईरान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन में कर रहे लोगों के समर्थन में सोशल मीडिया पर पोस्ट कर रहे हैं।ट्रंप ने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि 'ईरान शायद पहले कभी न देखी गई आजादी की ओर देख रहा है। अमेरिका मदद के लिए तैयार है।'

ईरान में सरकार के खिलाफ प्रदर्शन: सरकार की तरफ से बयानबाजी तेज हुई। ईरान के अटॉर्नी जनरल मोहम्मद मोवाहेदी आजाद ने चेतावनी दी कि विरोध प्रदर्शनों में भाग लेने वाले किसी भी व्यक्ति को ईश्वर का शत्रु माना जाएगा और उसे मृत्युदंड भुगतना पड़ सकता है।अमेरिका की चेतावनियों के बावजूद ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई ने तत्काल कार्रवाई करने की बात कही है। ईरान के सरकारी टेलीविजन पर बताया गया कि दंगाइयों की मदद करने वालों पर भी यही आरोप लगाया जाएगा।

'खुदा का दुश्मन' कानून

ईरान में विद्रोहियों को सजा-ए-मौत होगी

तेहरान: ईरान में जारी गृहयुद्ध जैसे हालात अब एक बेहद खतरनाक मोड़ पर पहुंच गए हैं। जनता

गुस्से में सड़कों पर उग्र प्रदर्शन पर उतर आई है लेकिन खामेनेई भी हार नहीं मान रहे हैं। अब तक इस प्रदर्शन में करीब 60 लोगों की मौत हो चुकी है लेकिन अब सरकार ने अब प्रदर्शनकारियों को सीधे तौर पर मौत की सजा देने का ऐलान किया है। खामेनेई ने चीखते हुए फैसला सुना दिया है कि विद्रोह करने वालों को 'सजा-ए-मौत' दी जाएगी। सिर्फ यही नहीं उन्हें 'खुदा का दुश्मन' मानकर फांसी पर लटकाया जाएगा और ये सजा सिर्फ प्रदर्शनकारियों तक सीमित नहीं रहेगी।

आईएसआईएस के ठिकानों पर की बमबारी

सीरिया में पिछले महीने हुए हमले में 2 अमेरिकी सैनिक और एक अमेरिकी सिविलियन इंटरप्रेटर मारे गए थे। इस हमले के बाद अमेरिका ने इस्लामिक स्टेट के खिलाफ जवाबी हमलों का एक और दौर शुरू किया है। अमेरिकी सेंट्रल कमांड के अनुसार सीरिया में बड़े पैमाने पर हमले अमेरिका ने पार्टनर फोर्सेज के साथ मिलकर किए हैं। इन हमलों में पूरे सीरिया में इस्लामिक स्टेट के कई ठिकानों को निशाना बनाया गया है।

लॉन्च किया बड़ा ऑपरेशन

अमेरिका की ओर से किए गए हमले एक बड़े ऑपरेशन का हिस्सा हैं, जो राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का पिछले महीने पाल्मायरा में हुए ISIS के जानलेवा हमले का जवाब हैं। ISIS के हमले में सार्जेंट एडगर ब्रायन टोरेस-टोवर, सार्जेंट विलियम नथानिएल हॉवर्ड और सिविलियन इंटरप्रेटर अयाद मंसूर सकत मारे गए थे।

ग्वालियर-चंबल अंचल ठंड से ठिठुरा अभी और बढ़ेगी ठंड

भोपाल। प्रदेश में एक बार फिर सर्दी ने तीखा रुख अख्तियार कर लिया है। ग्वालियर, चंबल, सागर और रीवा संभाग के इलाके शीत लहर की चपेट में हैं। आज ग्वालियर और दतिया समेत प्रदेश के 7 जिलों में कोल्ड वेव का अलर्ट जारी किया गया है। सुबह के समय प्रदेश के 20 से अधिक जिले घने से मध्यम कोहरे में लिपटे रहे। मौसम विभाग का कहना है कि अगले दो दिन दिन-रात के तापमान में उतार-चढ़ाव बना रहेगा, लेकिन तीन दिन बाद फिर कड़ाके की ठंड लौटने के आसार हैं।

मौसम विभाग के मुताबिक रविवार को ग्वालियर, दतिया, निवाड़ी, छतरपुर, टीकमगढ़, पन्ना और सतना में सर्द हवाएं चलेंगी। इसके चलते इन जिलों में दिन का तापमान भी सामान्य से कम बना रहेगा। सुबह के समय ग्वालियर, श्योपुर, मुरैना, भिंड, दतिया, टीकमगढ़, छतरपुर, पन्ना, सतना, रीवा के साथ इंदौर, भोपाल, उज्जैन, रायसेन, शाजापुर, देवास, सीहोर, गुना, अशोकनगर और विदिशा में कोहरे का असर देखने को मिला।

राम मंदिर की सुरक्षा में बड़ा बदलाव!

कश्मीरी शख्स की हरकत के बाद अयोध्या हाई अलर्ट पर

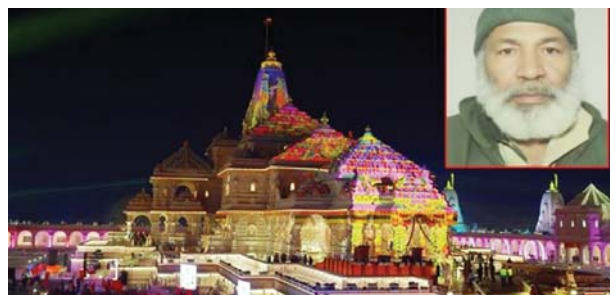

अयोध्या। उत्तर प्रदेश के अयोध्या जिले में बीते शनिवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब एक कश्मीरी व्यक्ति राम मंदिर परिसर में घुसकर नमाज पढ़ने लगा और जोर-जोर से नारे लगाने लगा। यह घटना 10 जनवरी को दोपहर करीब 12 बजे की बताई जा रही है। व्यक्ति की पहचान अब अहद शेख (55 वर्ष) के रूप में हुई है, जो जम्मू-कश्मीर का रहने वाला है। घटना के बाद राम मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल उठने लगे, जिसके बाद प्रशासन ने तुरंत एक्शन लिया और पूरे मंदिर क्षेत्र की सुरक्षा को काफी सख्त कर दिया गया है।

राम मंदिर और हनुमानगढ़ी की सुरक्षा हुई और कड़ी: इस घटना के बाद राम जन्मभूमि परिसर और हनुमानगढ़ी की सुरक्षा को काफी बढ़ा दिया गया है। हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं और चारों तरफ सीसीटीवी कैमरों से निगरानी की जा रही है। आने-जाने वाले हर व्यक्ति पर नजर रखी जा रही है और संदिग्ध लोगों से पूछताछ भी की जा रही है। राम मंदिर परिसर में मौजूद सीसीटीवी कंट्रोल रूम में अब दो पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी गई है, जो हर वक्त कैमरों की लाइव निगरानी करेंगे।

परिवार बोला-अहमद बिल्कुल पागल, उसको मंदिर और मस्जिद का फर्क नहीं पता

श्रीनगर। अयोध्या के राम मंदिर परिसर में कथित तौर पर नमाज पढ़ने की कोशिश करने के आरोप में कश्मीर निवासी अहमद शेख के परिवार वालों ने कहा कि वह पागल है। जम्मू-कश्मीर पुलिस अहमद शेख के शोपियां स्थित घर में पूछताछ के लिए पहुंची थी। अहमद शेख के परिवार ने कश्मीर पुलिस से कहा, 'ये बिल्कुल पागल है। इसको मंदिर और मस्जिद का फर्क नहीं पता। कहीं भी निकल जाता है। ये पागल हैं, इसलिए इसने ऐसा किया।' शेख के परिवार ने दावा किया है कि वह मानसिक रूप से बीमार है और अपने दावे के समर्थन में श्रीनगर मेडिकल कॉलेज के मनोचिकित्सा विभाग के मेडिकल रिकॉर्ड भी साझा किए हैं।

सरबजीत कौर केस: पीएम कैबिनेट सहित सीनियर अफसरों को रिपोर्ट सौंपने के निर्देश

अमृतसर। पाकिस्तान के पंजाब (लाहौर) हाईकोर्ट ने सरबजीत कौर उर्फ नूर फातिमा मामले में कड़ा रुख अपनाया है। कोर्ट ने पाकिस्तान के प्रधानमंत्री की कैबिनेट, अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री, एफआईए के डीजी, पंजाब पुलिस के आईजी, ईटीपीबी और अन्य अधिकारियों को दो हफ्ते के अंदर विस्तृत रिपोर्ट देने का आदेश दिया है।

रिपोर्ट में यह बताया जाए कि सरबजीत सिख जत्थे से कैसे अलग हुई, उनका डिपोर्टेशन किस स्थिति में है, उन्हें कानूनी तौर पर किसके हवाले किया गया और जिन पुलिस अधिकारियों की लापरवाही हुई, उनके खिलाफ क्या कार्रवाई की गई। साथ ही, यात्रा वीजा के दुरुपयोग से सिख समुदाय को हुए नुकसान का भी विवरण मांगा गया है।

सरबजीत कौर, जिन्होंने लाहौर के नासिर हुसैन से शादी कर इस्लाम कबूल किया और नूर फातिमा नाम रखा, फिलहाल लाहौर के दारुल अमान में रखी गई हैं। मेडिकल टीम ने उनकी सेहत को ठीक बताया है, लेकिन पाकिस्तान की इंटीरियर मिनिस्ट्री ने अभी तक उन्हें एक्जिट परमिट देने पर फैसला नहीं लिया है। हाईकोर्ट में याचिका दायर करने वाले वकील अली चेंजेजी संधू ने कहा है कि ट्रैवल परमिट मिलते ही सरबजीत को अगले हफ्ते तक भारत भेजा जा सकता है।

चंडीगढ़ मेयर चुनाव

पार्षद की भाभी को पंजाब पुलिस ने किया अरेस्ट

चंडीगढ़। मेयर चुनाव से ठीक पहले पंजाब पुलिस के एक्शन से चंडीगए में माहौल बेहद गरमा गया है। वार्ड नंबर-4 की बीजेपी पार्षद सुमन देवी की भाभी को मोहाली की सुहाना थाना पुलिस ने चंडीगढ़

के आईटी पार्क स्थित उनके घर से रविवार तड़के गिरफ्तार कर लिया। भाजपा ने इस कार्रवाई को सरेआम गुंडागर्दी और राजनीतिक दबाव की कार्रवाई बताते हुए पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार पर गंभीर आरोप लगाए हैं। पार्षद सुमन देवी कुछ दिन पहले ही आम आदमी पार्टी छोड़कर भाजपा में शामिल हुई थीं।

नाबालिग शूटर रेप केस

अंकुश के खिलाफ मिले पुख्ता सबूत

फरीदाबाद। फरीदाबाद में 17 साल की नेशनल शूटर के यौन शोषण के मामले में आरोपी नेशनल कोच

अंकुश भारद्वाज की मुश्किलें बढ़ती दिख रही हैं। शुरुआती जांच में आरोपी के खिलाफ पुलिस के हाथ कुछ पुख्ता सबूत लगे हैं।महिला थाना इंचार्ज माया ने बताया कि अभी तक की जांच में शूटर की शिकायत, मौके की स्थिति और टाइम लाइन मेल खा रही है। पीड़ित और आरोपी कोच के बीच की कड़ियां एक दूसरे से मैच कर रही हैं।पुलिस ने फाइव स्टार होटल के सीसीटीवी कैमरों को चेक किया।

जंगली हाथी का खौफ: 1 घर में सोते हैं 15 लोग, पुरुष रातभर करते हैं निगरानी

मझगांव (पश्चिमी सिंहभूम)। पश्चिमी सिंहभूम जिले के मझगांव प्रखंड अंतर्गत बेनीसागर गांव में जंगली हाथी की दहशत इस कदर बढ़ गई है कि ग्रामीण अपने घर छोड़ने को

मजबूर हो गए हैं।हालात यह हैं कि गांव के एक सुरक्षित घर में करीब 15 लोग एक साथ रात गुजार रहे हैं। इस घर में अधिकांश महिलाएं और बच्चे शामिल हैं, जबकि पुरुष रातभर बाहर रहकर हाथी की निगरानी कर रहे हैं।

ग्रामीणों के अनुसार हाथी के अचानक गांव में घुस आने और जान-माल को नुकसान पहुंचाने के डर से कोई भी अपने घर में अकेले सोने का साहस नहीं जुटा पा रहा है। बीते तीन दिनों में इसी गांव के दो ग्रामीणों समेत कुल तीन लोगों की हाथी द्वारा पटककर और कुचलकर मौत हो चुकी है, जिसके बाद से गांव में भय का माहौल और गहरा गया है।ग्रामीणों ने वन विभाग से हाथी को गांव की सीमा से बाहर खदेड़ने और स्थायी समाधान की मांग की है, ताकि वे सुरक्षित रूप से अपने घरों में लौट सकें। बता दें कि पिछले 9 दिनों में हाथी के हमलों में पश्चिमी सिंहभूम जिले के कुल 20 लोगों की जान जा चुकी है। मझगांव प्रखंड अंतर्गत बेनीसागर गांव में हमलावर हाथी के मौजूद होने की सूचना पर वन विभाग की टीम शनिवार रात भर कैंप कर निगरानी करती रही।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक **राजेश सिरोठिया** द्वारा पी जी इंफ्रास्ट्रक्चर एंड सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड,करोंद-भानपुर बाइपास विलेज रासलाखेड़ी भोपाल से मुद्रित तथा ए-182 मनीषा मार्केट शाहपुरा भोपाल से प्रकाशित। **संपादक राजेश सिरोठिया**
स्थानीय संपादक अनिल शर्मा* आर एन आई पंजीयन क्रमांक एमपी एचआईएन/2016/68849 (*पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार) **फोन :** 0755-7963564